● वर्ष-5
● अंक-206
रायपुर, बुधवार
15 अप्रैल 2026
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8› समाज में न्याय और समानता...

संकट में दुनिया को राह दिखाता है भारत, संतों का ज्ञान दे रहा दिशा: मोहन भागवत

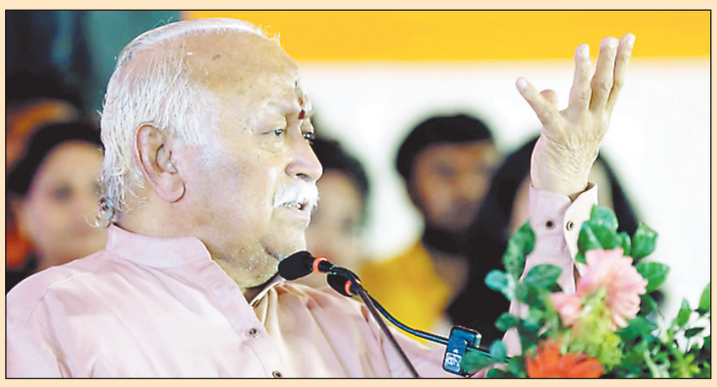

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि जब-जब दुनिया संकटों में घिरती है, तब भारत ही उसे रास्ता दिखाता है। उन्होंने देश की इस क्षमता का श्रेय उसकी गहरी आध्यात्मिक परंपरा और संतों के मार्गदर्शन को दिया।

नागपुर में आयोजित 'श्री मज्जिनेंद्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव' के दौरान भागवत ने कहा, भौतिकवाद और उपभोक्तावाद की आंधियों ने दुनिया की कई सभ्यताओं को कमजोर कर दिया, लेकिन भारत अपनी मूल पहचान के साथ मजबूती से खड़ा रहा। उनके अनुसार, यह स्थिरता भारत की आध्यात्मिक चेतना का परिणाम है। उन्होंने प्राचीन सभ्यताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी सभ्यताएं इतिहास में विलीन हो गईं, जबकि भारत आज भी अपनी विशिष्ट पहचान के साथ मौजूद है। इसका कारण संतों और ऋषियों द्वारा दी गई ज्ञान परंपरा है, जो समाज को निरंतर दिशा देती रही है।

भागवत ने समाज में संतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके विचारों को जीवन में अपनाने से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस आध्यात्मिक धरोहर को समझें और अपने आचरण में उतारें। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भारत अपनी मूल भावना के साथ कायम रहेगा, तब तक विश्व में संतुलन और शांति बनी रहेगी।

समाज को आकार देने में संतों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

भागवत ने कहा, समाज को आकार देने में संतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदू समाज, हमारे राष्ट्र का समाज, धीरे-धीरे खुद को ढालने और रूपांतरित करने की अनूठी क्षमता रखता है। यह इसलिए है क्योंकि हमारे देश के संत, ऋषि और तपस्वी निरंतर हमारे समाज को आकार दे रहे हैं और तैयार कर रहे हैं। बाहरी दुनिया भौतिकवाद, संकीर्णतावाद और उपभोक्तावाद के तूफान से घिरी हुई है, ये वे शक्तियां हैं जिन्होंने अन्य समाजों के विघटन का कारण बनी हैं। फिर भी, हमारे लिए, वह लहर बस हम पर से गुजर जाती है। हम अपने मूल स्वरूप में अडिग और अपरिवर्तित रहते हैं। यह लचीलापन आध्यात्मिक ज्ञान का फल है। यह हमारे संतों द्वारा हम पर प्रदत्त कृपा है

बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री

पटना। बिहार की राजनीति ने आज एक ऐसी करवट ली है जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद अब सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। बीजेपी विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद यह साफ हो गया है कि बिहार के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भाजपा का कोई चेहरा बैठेगा। कल, 15 अप्रैल को राजधानी के लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा।

राजनीतिक हलचल के बीच आज नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। विशेष बात यह रही कि वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी में सवार होकर राजभवन पहुंचे, जो एनडीए की नई एकजुटता का संकेत है। इस्तीफे के बाद नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए लिखा कि नई सरकार को उनका पूरा सहयोग रहेगा और बिहार प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। वहीं भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने भी सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा, सम्राट चौधरी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा, मैं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने दिल्ली जाने का मन बनाया, जिसके कारण यह परिस्थिति आई और उन्होंने सम्राट चौधरी को आशीर्वाद दिया। भाजपा विधायक दल ने भी सम्राट चौधरी को चुना है।

सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी को बिहार के नए मुख्यमंत्री बनाए जाने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी उन्हें शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है कि बिहार में बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।सीएम साय ने कहा, हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में बिहार सुशासन, विकास और जनकल्याण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। आपका अनुभव और जनसेवा के प्रति आपकी प्रतिबद्धता प्रदेश के विकास को और गति प्रदान करेगी।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के शंकरनगर स्थित दुर्गा मैदान में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर भोजन किया तथा स्वयं लोगों को भोजन परोसकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

बंगाल का विभाजन नहीं, संवैधानिक समाधान होगा: अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर बंगाल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बंगाल का विभाजन किए बिना गोरखा समस्या के संवैधानिक समाधान का वादा किया है। उन्होंने क्षेत्र में एम्स, आईआईटी और राजबंशी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने जैसी कई विकास परियोजनाओं का भी आश्वासन दिया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम

बंगाल का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का समाधान करेगी। अमित शाह ने उत्तरी बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के 'एजेंट' हैं और वह उनकी सहमति से बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मुर्शिदाबाद में मस्जिद का निर्माण कर रहे हैं।उन्होंने कहा, ''भाजपा मस्जिद के निर्माण की अनुमति नहीं देगी।'' शाह ने वादा किया कि पश्चिम बंगाल से अन्य राज्यों को आलू की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी।

365 दिन में 100 ब्रह्मोस मिसाइल, भारत ने तोड़ा रिकॉर्ड

नईदिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देने वाली ब्रह्मोस एयरोस्पेस की ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थापित नए ब्रह्मोस प्लांट से अब मिसाइलों की डिलीवरी शुरू हो गई है। यह प्लांट उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का अहम हिस्सा है और देश की सैन्य ताकत को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। अक्टूबर 2025 में प्लांट से पहली बार चार ब्रह्मोस मिसाइलों का बैच तैयार किया गया था, और अब नियमित उत्पादन व आपूर्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस नए प्लांट की सबसे बड़ी खासियत इसकी उत्पादन क्षमता है। यहां हर साल करीब 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाई जा सकती हैं। इसका मतलब है कि सेना, नौसेना और वायुसेना—तीनों को तेजी से आधुनिक हथियार उपलब्ध हो सकते है।

बात दें कि ब्रह्मोस मिसाइल दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। यह ध्वनि की गति से कई गुना तेज गति से उड़ान भरती है, जिससे दुश्मन को प्रतिक्रिया करने का बहुत कम समय मिलता है। इसकी एक और बड़ी ताकत यह है कि जमीन, समुद्र और हवा—तीनों प्लेटफॉर्म से लांच किया जा सकता है। यही कारण है कि यह तीनों सेनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हथियार

बन चुकी है। पहले ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन मुख्य रूप से हैदराबाद और अन्य सीमित स्थानों पर होता था, लेकिन लखनऊ प्लांट के शुरू होने से उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे देश की रक्षा तैयारियों में तेजी आएगी और जरूरत के समय हथियारों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मोदी सरकार का फोकस अब आत्मनिर्भर भारत पर है, और ब्रह्मोस परियोजना इस दिशा में एक बड़ा कदम है। वर्तमान में इस मिसाइल के निर्माण में लगभग 70 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। जो पहले की तुलना में काफी अधिक है। इसका मतलब है कि भारत धीरे-धीरे रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम कर रहा है और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025 में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं रक्षा निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है और 2025-26 में यह 38,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

प्रमुख समाचार

पीएम मोदी ने किया दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन

देहरादून। पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को देहरादून में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन कर एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ उत्तराखंड की प्रगति में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ी है आपको याद होगा बाबा केदार के दर्शन के बाद, मेरे मुंह से अनायास निकला था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि डबल इंजन सरकार की नीतियां और उत्तराखंड के लोगों के परिश्रम से ये युवा राज्य विकास के नए आयाम जोड़ रहा है। ये प्रोजेक्ट भी उत्तराखंड के विकास को नई गति देगा। इस एक्सप्रेसवे का बहुत बड़ा हिस्सा जो वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर के रास्ते यहां पहुंचता है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर सहमति बनाने में जुटी मोदी : खरगे

नईदिल्ली। महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र ने सहमति बनाने की कोशिशें तेज कर 2029 के आम चुनाव से लागू करने का साफ संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी दलों से सहयोग की अपील की है, लेकिन पूरे मामले में परिसीमन सबसे बड़ा पेंच बनकर सामने आया है, जिस पर

मोदी सरकार अब भी स्पष्ट रुख सामने नहीं ला रही। विपक्ष, खासकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिल की प्रक्रिया के समय और मंशा पर सवाल उठाया है, इससे मुद्दा राजनीतिक सहमति से ज्यादा टकराव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। दरअसल,16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए सरकार फिर संविधान संशोधन विधेयक ला रही है। खुद पीएम मोदी ने इसका खुलासा किया है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि परिसीमन आयोग के गठन व लोकसभा और विधानसभा की सीटों की संख्या में संभावित बदलाव के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की तैयारी हो रही है।

फिर शुरू होगी ईरान के साथ शांति वार्ता, ट्रंप ने दिए संकेत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगले दो दिनों में पाकिस्तान में कुछ महत्वपूर्ण हो सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप ने न्यूयॉर्क पोस्ट के एक रिपोर्टर से कहा %आपको वहीं रहना चाहिए, क्योंकि

अगले दो दिनों में कुछ हो सकता है और हम वहां जाने के लिए अधिक इच्छुक हैं।% उन्होंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें शानदार बताया। शांति वार्ता के लिए जिनेवा को भी एक संभावित स्थान के रूप में सुझाया गया था, लेकिन ट्रंप ने इस संभावना को कमतर आंका। उन्होंने कहा हमें ऐसे देश में क्यों जाना चाहिए जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है? इस बीच, अमेरिकी सेना ने बताया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में यातायात को सीमित करने वाली अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी के कारण छह जहाज वापस लौट गए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, छह वाणिज्यिक जहाजों ने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी का सामना करने के बाद ईरानी बंदरगाहों की ओर वापसी की है।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार 48 साल बाद खुले, गिनती जारी

पुरी। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में स्थित रत्न भंडार को लेकर एक बार फिर रहस्य और जिज्ञासा का माहौल बन गया है। लगभग 48 वर्षों बाद मंदिर के भीतरी रत्न भंडार कक्ष को खोला गया है, जहां रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की गिनती का कार्य जारी है।मंदिर से जुड़े पुजारियों और उनके वंशजों का दावा है कि इस रत्न भंडार में सोने, चांदी और हीरे-जवाहरात का विशाल भंडार मौजूद है। साथ ही मंदिर परिसर में कई खुफिया चैम्बर और एक गुप्त सुरंग होने की भी चर्चा लंबे समय से होती रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2018 में एक बंद पड़े गुप्त तहखाने तक पहुंचने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस समय उसका दरवाजा खोलने के लिए चाबी नहीं मिल सकी। बाद में जुलाई 2024 में उस कक्ष को खोला गया।हालांकि अंदर मौजूद वस्तुओं को लेकर अब भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंदिर के पुजारी बताते हैं, कि प्राचीन काल में विभिन्न राजाओं द्वारा जीते गए धन और आभूषण इसी रत्न भंडार में सुरक्षित रखे जाते थे। इनमें सोने-चांदी के मुकुट, सिंहासन और बहुमूल्य रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है, इतिहास में उल्लेख मिलता है कि मंदिर को कई बार लूटने के प्रयास हुए।

बॉयलर ब्लास्ट हादसे में अब तक 10 मजदूरों की मौत

सक्ती। जिले में मंगलवार दोपहर एक बड़ा औद्योगिक हादसा हुआ, जहां डभरा थाना क्षेत्र के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में अब तक 4 मजदूरों की मौत की पुष्टि पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने की है, जबकि 30 से 40 मजदूरों के गंभीर रूप से झुलसने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, पावर प्लांट में रोज की तरह सामान्य कामकाज चल रहा था। इसी दौरान मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक बॉयलर में जोरदार धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि ट्यूब फटने के कारण यह हादसा हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई और मौके पर मौजूद मजदूरों में भगदड़ की स्थिति बन गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायल मजदूरों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। गंभीर रूप से घायल 11 मजदूरों को खरसिया के पद्मावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत ने कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है।

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस

जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था।

नक्सलियों को बिन बताए ब्याह रचा सकेंगे ग्रामीण

जगरगुंडा इलाके में 2 दशक बाद गाड़ियों से पहुंची बारात

दंतेवाड़ा। नक्सलमुक्त बस्तर में माओवाद की दहशत खत्म होने के साथ टूटे रिश्ते फिर मजबूत होने लगे हैं। एक दौर था जब जगरगुंडा इलाके में कोई अपनी लड़की का ब्याह करने को तैयार नहीं होता था। सालों से यहां किसी की बारात भी नहीं आई थी। किसी को शादी करनी ही होती तो उन्हें पहले नक्सलियों से मंजूरी लेनी होती थी।

नक्सलियों को बताना पड़ता था कि फलां इलाके में रिश्ता जोड़ सकते हैं या नहीं! रिश्ता जोड़ने की बात मान गए तो बारात में कितने बाराती आएंगे, कितने बजे तक कार्यक्रम होगा, बाराती गांव से कब तक लौट जाएंगे... यह सबकुछ बताना होता था। ऐसी शादियों में सरकारी कर्मचारियों की मौजूदगी का तो सवाल ही नहीं बनता था।

परिवार खुद अपने ऐसे रिश्तेदारों को नहीं बुलाते, जो सरकारी नौकरी में हैं और न ही ऐसे काम से जुड़े लोग खुद भी इस ओर का रूख करते थे। हालांकि, अब जब इलाके से नक्सलियों का प्रभाव लगभग खत्म हो चुका है तो रिश्ते एक बार फिर जुड़ने लगे हैं।

नक्सलियों की दहशत का प्रभाव केवल शादी-ब्याह और छट्ठी जैसे सुख के कार्यक्रमों तक नहीं था, बल्कि लोग अपने किसी की मौत या बीमार पड़ने पर भी जगरगुंडा और आसपास के इलाकों में जाने से कतराते थे। इलाके में हल्बा, आदिवासी समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी रहते हैं।ये लोग पहले शादी के लिए न पंडितों से मुहूर्त निकलवा सकते थे और न ही दुख के कार्यक्रम में बिना भय पूरे विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न करवा सकते थे। यही वजह रही कि लंबे वक्त तक इस क्षेत्र से पलायन भी होता रहा।

अब बस्तर नक्सलमुक्त है तो लोग अपने गांव-घर की ओर लौटने लगे हैं। जगरगुंडा से करीब 10 किमी कामाराम गांव में दंतेवाड़ा के गोंगपाल गांव से बारात पहुंची थी। 2005 के बाद इलाके में यह पहला मौका था जब किसी की बारात यहां गाड़ियों के साथ धूमधाम से पहुंची थी। ऐसे में इस बारात को देखने के लिए गांव में भी भीड़ उमड़ पड़ी थी। गोंगपाल का वर और वधु कामाराम गांव की थी। वर पक्ष के प्रेम नाग ने बताया हमारे नाते-रिश्तेदार जगरगुंडा क्षेत्र में रहते हैं।

किसानों के नाम पर फर्जी लोन और खाद आहरण

- **नेलांगुर गांव के कई लोगों ने अपनी जिंदगी में पहली बार नलों से पानी आते देखा. दशकों तक नक्सली विकास की राह में रहे रोड़ा**

खैरागढ़। खैरागढ़ जिले में किसानों के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों को दरकिनार करते हुए डोकरभाठा सोसायटी में बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। किसानों ने सोसायटी प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।किसानों के मुताबिक उनके नाम पर बिना जानकारी के सीसी लोन कैश क्रेडिट निकाला गया, वहीं खाद वितरण में भी भारी गड़बड़ी सामने आई है।किसानों का कहना है कि जब वे स्वयं लोन लेने के लिए सोसायटी पहुंचे तब उन्हें पता चला कि उनके नाम पर पहले से ही कर्ज दर्ज है। इससे साफ होता है कि किसी स्तर पर दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी लोन निकाला गया है।

वहीं कई किसानों ने आरोप लगाया कि जब वे खाद लेने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि उनके नाम से पहले ही अधिक मात्रा में खाद उठाया जा चुका है। बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि बायोमेट्रिक (अंगूठा लगाकर) ही खाद वितरण किया जाए तो बिना किसान की मौजूदगी के इतनी बड़ी मात्रा में खाद कैसे निकल गई।

हमने अपना पुराना कर्ज पूरी तरह चुका दिया है। हमारे पास भुगतान की पावती भी है। इसके बाद बैंकों में अब भी हमारे नाम पर कर्ज दर्ज दिख रहा है- डोकराहठा किसान किसानों ने इस मामले में दो बार शिकायत दर्ज कराई लेकिन अब तक न तो जांच की कोई ठोस पहल हुई और न ही दोषियों पर कार्रवाई। इससे किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।किसानों की मांग किसानों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और जिन किसानों के नाम पर फर्जी कर्ज चढ़ाया गया है, उसे तत्काल हटाया जाए।

फिलहाल खेती का सीजन सिर पर है और किसान अपनी फसल की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे में अगर समय रहते समाधान नहीं हुआ तो इसका सीधा असर खेती और किसानों की आजीविका पर पड़ेगा। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेकर किसानों को राहत देता है या फिर शिकायतें इसी तरह फाइलों में दबकर रह जाएंगी।

खौफ खत्म, मरकाबेड़ा में खुला पहला स्कूल

नारायणपुर। कभी नक्सल गतिविधियों के लिए चर्चित अबूझमाड़ का मरकाबेड़ा गांव अब बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। बस्तर में शांति और विकास के विस्तार के साथ अब शिक्षा की किरण भी दुर्गम इलाकों तक पहुंच रही है। कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में पहली बार प्राथमिक शाला शुरू की गई है। ग्राम पंचायत गोमे अंतर्गत आने वाला मरकाबेड़ा लंबे समय तक विकास से अछूता रहा।

यहां के बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर-दराज के गांवों तक जाना पड़ता था, जिससे अधिकांश बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते थे। अब गांव में ही स्कूल खुलने से न केवल मरकाबेड़ा बल्कि कोरोसकोडो समेत आसपास के गांवों के बच्चों को बड़ी राहत मिली है। स्कूल की शुरुआत आसान नहीं थी। संकुल समन्वयक, शिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नदी-नालों और पहाड़ियों को पार कर कठिन परिस्थितियों में 2 अप्रैल को इस पहल को साकार किया। शाला प्रारंभ करने के साथ ही प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को निशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तकें और पोषक आहार वितरित किए गए। बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था।

बंदरों की उछल-कूद से हुआ शॉर्ट सर्किट, कंप्यूटर और जरूरी दस्तावेज जलकर खाक

बालोद। जिले में आज सुबह जिला सहकारी बैंक में आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में कंप्यूटर सिस्टम, कैश काउंटर और जरूरी दस्तावेज जलकर खाक हो गईं।

समय रहते कैश को सुरक्षित बचा लिए गए। यह घटना गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम ओटेबंद स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग की शाखा की है। जानकारी के मुताबिक, बैंक की छत पर बंदरों का झुंड उछल-कूद कर रहा था। इसी दौरान बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे बैंक में आग भड़क उठी। आग लगते ही स्थानीय ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। गुंडरदेही पुलिस के अनुसार, आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है। फिलहाल नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

चैन स्नैचिंग की शिकायत पर कंडक्टर ने थाने में यात्रियों समेत खड़ी कर दी बस

बलौदा बाजार। भाटापारा से बलौदा बाजार आ रही राधेश्याम बस सर्विस की बस में एक महिला चैन स्नैचिंग का शिकार हो गई। गले से सोने की चैन गायब होने का अहसास होते ही महिला ने कंडक्टर से शिकायत की, जिस पर कंडक्टर ने यात्री सहित बस को कोतवाली थाना में खड़ा कर दिया, जहां पुलिस संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला टाकेश्वरी साहू भाटापारा से अपने मायके ग्राम रवान के लिए बस में सवार हुई थी। ग्राम रवान में जब वह उतरने जा रही थी कि उसे अहसास हुआ कि उसके गले से सोने की चैन गायब है। उसने परिचालक दीपक ठाकुर से शिकायत की, जिस पर परिचालक ने देर न करते हुए यात्रियों सहित बस को कोतवाली थाना में ले जाकर खड़ा किया और पुलिस को सूचना दी। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने बस में बैठे यात्रियों की जांच करते हुए उनके नाम-पते नोट किया, वहीं संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना प्रभारी लखेश केंवट ने बताया कि राधेश्याम बस सर्विस की बस भाटापारा से बलौदा बाजार आ रही थी, इसी दौरान एक महिला यात्री चैन स्नैचिंग का शिकार हुई है। महिला की शिकायत पर जांच करते हुए संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

रायगढ़ में शराब के नशे में स्कूल पहुंचा शिक्षक

- **पालकों ने की शिकायत, बीईओ बोले- शिक्षक को निलंबित किया गया**

रायगढ़। जिला में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक का शराब के नशे में स्कूल पहुंचने का मामला सामने आया है। जहां मामले की शिकायत पालकों ने की है। जिसके बाद शिक्षक को विभाग के द्वारा निलंबित कर दिया गया है। मामला लैलूंगा विकासखंड के छातासराई प्राथमिक स्कूल का है। मिली जानकारी के मुताबिक प्राथमिक शाला छातासराई स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक कुष्टोराम भोय शराब के नशे में स्कूल पहुंच गया।

जिसके बाद मामले की जानकारी पालकों को लगी, तो उन्होंने और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने संकुल समन्वयक को पंचनामा सौंपते हुए बताया कि सहायक शिक्षक हर दिन शराब के नशे में स्कूल पहुंचता है और इस वजह से स्कूल में अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है और इसे लेकर तत्काल शिक्षक को निलंबित करने की मांग की। उन्होंने अपने पंचनाम आवेदन में यह भी कहा कि अगर शिक्षक पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करेंगे। जब शिक्षक कुष्टोराम भोय शराब के नशे में स्कूल पहुंचा, तो उसका वीडियो भी बनाया गया और जब उससे पूछा गया तो उसने कबुल किया वह शराब का सेवन किया है। उनका कहना था कि घर में मेहमान आए थे, इसलिए थोड़ा सा शराब पी लिया है।

साथ ही इस हाल में स्कूल आने पर बच्चों को पढ़ने के लिए किताब निकाल कर दे देने की बात कही। लैलूंगा विकासखंड बीईओ रवि सारथी ने बताया कि प्राथमिक स्कूल छातासराई के शिक्षक के खिलाफ शिकायते आ रही थी क वह शराब के नशे में स्कूल आता है। सोमवार को भी ग्रामीणों ने बताया, जिसके बाद प्रतिवेदन तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेजा गया। जहां आगे की कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बिलासपुर में कंट्रोल-रूम से छात्रों ने संभाला ट्रैफिक सिस्टम

बिलासपुर। बिलासपुर में चौक-चौराहों पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला। ट्रैफिक कंट्रोल रूम से लेकर सड़क तक, हर जगह स्कूली बच्चे सक्रिय नजर आए। 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती पर पुलिस ने विशेष पहल की, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं को पुलिसिंग की दुनिया से रूबरू कराया। इस दौरान छात्रों ने न सिर्फ ट्रैफिक सिस्टम को समझा, बल्कि खुद कंट्रोल रूम में बैठकर पुलिस कप्तान रजनेश सिंह के साथ लाइव अनाउंसमेंट भी किया। सड़क पर चल रहे लोगों को नियमों का पालन करने की अपील की। एसएसपी रजनेश सिंह ने चौक-चौराहों पर लगे लाउड स्पीकर के जरिए आम लोगों से कहा कि, आज ट्रैफिक सिस्टम बच्चे संभाल रहे हैं, आपको देखकर सीख रहे हैं। कृपया नियमों का पालन करें और उनके सामने अच्छे नागरिक होने का परिचय दें। यह संदेश सुनते ही कई जगह वाहन चालकों ने हेलमेट पहना, लाइन में खड़े हुए और ट्रैफिक नियमों का पालन करते नजर आए। छात्रों को शहर के इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर ले जाया गया।

कोरिया में अधूरे शौचालय से स्वच्छता मिशन को पलीता

कोरिया। शिवपुर चरचा नगर पालिका में विकास कार्यों की हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नपा कार्यालय के ठीक बगल में लाखों रुपये की लागत से बन रहे सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा पड़ा है। हैरानी की बात यह है कि निर्माण पूरा होने से पहले ही इसकी दीवारों में दरारें दिखाई देने लगी हैं। इस स्थिति ने जहां निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं संभावित हादसे की आशंका भी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर नाराजगी देखी जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव ने नपा प्रशासन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 20 महीनों से नपा में बैठे नेतृत्व के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है। उनका आरोप है कि कार्यालय भवन, शौचालय निर्माण, पार्कों की व्यवस्था और नालियों के कार्य हर जगह लापरवाही और अनियमितता साफ दिखाई दे रही है। अधिकारी व जनप्रतिनिधि एसी कमरों से बाहर निकलकर जमीनी हकीकत देखने तक की जरूरत नहीं समझ रहे हैं।

पिकअप-ड्राइवर से चाकू की नोक पर 51 हजार की लूट

सरगुजा। जिले के बेनई जंगल में सोमवार रात हथियारबंद लुटेरों ने एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की। चाकू और पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया। उसके पास रखे 51 हजार रुपए और मोबाइल फोन लूट कर भाग गए। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, रायकेरा निवासी समीरउल्लाह खान सीतापुर के सुनीता फर्नीचर में पिकअप का ड्राइवर है। सोमवार को वह पिकअप में फर्नीचर लोड कर सप्लाई करने के लिए जशपुर जिले के बगीचा गया था। ड्राइवर को फर्नीचर का 51 हजार रुपए मिला था। वह फर्नीचर अनलोड करने के बाद सीतापुर लौट रहा था। समीर उल्लाह खान ने बताया कि, रात करीब 8 बजे वह बेनई जंगल में हनुमान मंदिर के पास पहुंचा था। दो बाइकों में सवार 4 नकाबपोश युवक उसका पीछा कर रहे थे। युवकों ने पिकअप को ओव्हरटेक कर गाड़ी रुकवाई और उन्हें गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला। युवकों ने चाकू की नोक पर पिकअप ड्राइवर से पैसों की मांग की। विरोध करने पर युवकों ने चाकू और पत्थर से हमला कर दिया। जिससे वो घायल हो गया।

टीन-छप्पर तोड़कर कर रहे चोरी, दुकान में घुस नए कपड़े

कोरबा। कुसमुंडा थाना क्षेत्र में एक बार फिर चोरों का आतंक बढ़ गया है। लगातार हो रही चोरियों से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। बीते दिनों विकास नगर स्थित नेहा रेडीमेड में छप्पर तोड़कर हजारों का माल चोरी हुआ था। अब मंगलवार की सुबह घटना सामने आई, जहां इमली छपार चौक स्थित स्काई मेंस वेयर को निशाना बनाया गया।दुकान संचालक आकाश साहू ने बताया कि मंगलवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि छप्पर टूटा हुआ था और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर नए कपड़े, जूते और गल्ले में रखी नगदी ले गए।गल्ले में लगभग चिल्हर 5 हजार रखे हुए थे। वहीं हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। आकाश ने तुरंत कुसमुंडा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि शातिर चोर लगातार टीन-छप्पर वाली दुकानों को निशाना बना रहे हैं। रात के अंधेरे में छप्पर तोड़कर दुकान में घुसते हैं और कीमती सामान लेकर फरार हो जाते हैं।

धमतरी में हेरोइन बेचते 2 आरोपी गिरफ्तार

धतमरी। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने हेरोइन (चिट्टा) की बिक्री कर रहे 2 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने न सिर्फ नशीला पदार्थ बरामद किया, बल्कि कार, नकदी और मोबाइल फोन सहित लाखों की संपत्ति भी जब्त की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि धमतरी बस स्टैंड के पीछे एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार में 2 युवक अवैध मादक पदार्थ रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी। कार्रवाई के दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से 10।30 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 47 हजार आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नशीले पदार्थ के अलावा 12 हजार नकद, एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार, एक आईफोन 11 जब्त किया गया।

डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल के ड्रेसर का 5000 रिश्वत लेते विडियो

- **मेडिकल-रिम्बर्समेंट कराने पैसों की डिमांड, बोला- रायपुर भेज देते तो बिल पास नहीं होता, सस्पेंड**

जशपुर। जशपुर जिला अस्पताल के ड्रेसर किशोर कुमार चौहान के रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो 5 हजार रुपए लेकर गिनते नजर आ रहा है। 2 हजार और देने की बात कह रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ड्रेसर को सस्पेंड कर दिया गया है।

सरकारी कर्मचारी ने इलाज के बाद पैसा रिम्बर्समेंट के लिए आवेदन दिया था। जिसे पास करने के एवज में रिश्वत मांगी गई।

वीडियो में दोनों 45 हजार रुपए इलाज में खर्च और आईवीएफ के बारे में बातचीत करते नजर आ रहे हैं। ड्रेसर यह भी कह रहा कि, जिसके साइन से पैसा निकल रहा है, उसको पैसा नहीं देना चाह रहे हो तुम। हम चाहते तो बिल को रायपुर भेज देते। लेकिन रायपुर से पास नहीं होता, क्योंकि आईवीएफ का पैसा नहीं मिलता है।

हालांकि, पैसे देने वाला शख्स सामने नहीं आया है, न ही कोई शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, 9 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था। इसमें ड्रेसर किशोर कुमार चौहान को मेडिकल रिम्बर्समेंट (चिकित्सा प्रतिपूर्ति) पास कराने के बदले पैसे लेते हुए देखा गया।

वीडियो वायरल होने के बाद मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया, जिसके बाद जांच कर कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने इस मामले को अनुचित आचरण माना है। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसी हरकत छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 का उल्लंघन है।

सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत ड्रेसर को सस्पेंड किया गया है। सस्पेंशन के दौरान किशोर कुमार चौहान का मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्थलगांव निर्धारित किया गया है। नियमानुसार, उन्हें इस अवधि में जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

इस कार्रवाई के बाद जिला चिकित्सालय सहित स्वास्थ्य विभाग में चर्चा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने कहा कि, सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर पहली नजर में मामला गंभीर पाया गया। शासकीय सेवक की तरफ से इस प्रकार की अवैध वसूली न केवल सेवा नियमों का उल्लंघन है, बल्कि विभाग की छवि को भी धूमिल करता है।

इसलिए तत्काल प्रभाव से उन्हें सस्पेंड किया गया है। आगे विभागीय जांच भी कराई जाएगी और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की लघु दुकानदारों के समर्थन में बैठक

- **बीजेपी पर आरोप; मंत्री देवांगन का पलटवार**

कोरबा। कोरबा में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बालकोनगर के लघु दुकानदारों के समर्थन में एक महत्वपूर्ण बैठक की थी यह बैठक उत्सव वाटिका, इंदिरा मार्केट में आयोजित की गई थी जिसमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बालको प्रबंधन से नोटिस प्राप्त प्रभावित दुकानदार और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे कांग्रेस पार्टी से पीसीसी सचिव विकास सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सपना चौहान, सांसद प्रतिनिधि मोहन प्रधान, प्रदेश महिला नेत्री रेखा त्रिपाठी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश पंकज और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। बालको में दुकानदारों को खाली कराने नोटिश दी गई बालको प्रबंधन द्वारा उन्हें स्थल खाली करने के लिए 8 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया गया था यदि वे स्वयं स्थल खाली नहीं करते हैं, तो प्रबंधन द्वारा बलपूर्वक ठेला-गुमटी हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को लेकर कांग्रेस के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बैठक में संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा के लोग बालकों का दलाली करते हैं अवैध वसूली करने काम का टुकड़ा लेने के लिए दलाली करते हैं इसलिए वह सामने नहीं आ रहे हैं। जयसिंह अग्रवाल ने कहा था कि देवांगन जी के भतीजे ने फरमान जारी किया है कि रेत का काम केवल मैं करूंगा कोई नहीं करेगा। वही वसूली की जा रही है। वही मंत्री लखन लाल देवांगन ने जयसिंह अग्रवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि बालको में दुकान हटाए जाने को लेकर राजनीति कर रहे हैं।

नारी शक्ति की भागीदारी से मजबूत होगा लोकतंत्र: मुख्यमंत्री साय

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एकजुटता का आह्वान, साय ने सांसदों, विधायकों और महिला संगठनों को लिखा पत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ के सभी लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, विधानसभा सदस्यों तथा महिला संगठनों को पत्र लिखकर सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रस्तावित चर्चा को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक क्षण बताते हुए कहा है कि यह मातृशक्ति को लोकतांत्रिक संस्थाओं में समुचित प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सांसदों को लिखे अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 16 अप्रैल 2026 को संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रस्तावित चर्चा देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वर्ष 2023 में संसद द्वारा इस अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किए जाने को लोकतंत्र की एकजुटता और महिला सशक्तीकरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सांसदों से आग्रह किया कि वे वर्ष 2029 के लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों से पूर्व इस अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू करने के विषय में सकारात्मक और सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि मातृशक्ति को उनका समुचित अधिकार शीघ्र प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के सभी विधायकों को लिखे गए पत्र में उल्लेख किया है कि अब समय आ गया है कि महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में उनका उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 'मातृशक्ति के नेतृत्व में सशक्तीकरण' का यह अभियान देश के समग्र विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से अपेक्षा की कि है कि वे महिला आरक्षण के समर्थन में छत्तीसगढ़ की आवाज को सशक्त करें तथा इस विषय पर होने वाली चर्चा में सक्रिय

सहभागिता निभाते हुए सकारात्मक वातावरण के निर्माण में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला संगठनों को लिखे अपने पत्र में महिला संगठनों के निरंतर प्रयासों और योगदान की सराहना करते हुए कहा है कि महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने उल्लेख किया कि 16 अप्रैल को संसद में होने वाली चर्चा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों से पूर्ण रूप से सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। साथ ही यह लोकतंत्र को और अधिक समावेशी एवं संवेदनशील बनाने का अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने उल्लेख किया कि यह सुखद संयोग है कि यह महत्वपूर्ण चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब छत्तीसगढ़ में 'महतारी गौरव वर्ष' मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सदैव महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इसका प्रमाण है। स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किए जाने तथा 'महतारी वंदन योजना' और 'रानी दुर्गावती योजना' जैसी पहल के सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने महिला संगठनों से आह्वान किया कि वे 16 अप्रैल को होने वाली इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में अपने-अपने मंचों से मुखर होकर आवाज बुलंद करें, ताकि महिला आरक्षण के पक्ष में देशव्यापी सकारात्मक वातावरण तैयार हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला संगठन केवल इस परिवर्तन के साक्षी ही नहीं, बल्कि इसके निर्माण में भागीदार भी बनेंगी।

मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों और महिला संगठनों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर एकजुट होकर महिला आरक्षण के समर्थन में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें और संसदीय चर्चा में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से यह पहल न केवल सफल होगी बल्कि देश के लोकतंत्र के सशक्तीकरण की दिशा में एक नए युग की शुरुआत करेगी।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, विधायक श्री रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके उत्थान के लिए समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि हम समाज में समरसता, न्याय और समानता के मूल्यों को सशक्त करें और अंतिम व्यक्ति तक विकास के लाभ सुनिश्चित करें।उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

अग्रवाल महिला मंडल ने कोर्ट परिसर में लगवाया वाटर कूलर

रायपुर। गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरु कर दिया है और जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर में वकील व बड़ी संख्या में फरिवादी न्याय पाने के लिए पहुंचते है। अगर उन्हें प्यास लगता है तो वे बाहर होटल या दुकान से पानी बोतल खरीदकर पीते है। काफी दिनों से अग्रवाल समाज को यह सूचना मिल रही थी वहां वाटर कूलर की जरुरत है और आज सुनील अग्रवाल ने अपने माता-पिता की स्मृति में एक वाटर कूलर प्रदान किया जिसे कोर्ट परिसर में अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल के नेतृत्व में लगाया गया जिसका उद्घाटन अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने किया गया। प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने बताया कि इसके अलावा ममता अग्रवाल के नेतृत्व में सड्डू स्थित मां बगलामुखी माता के मंदिर में आते-जाते रहगीरो श्रद्धालुओं के लिए वाटर कूलर लगवाया गया जिसका उद्घाटन भी अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य सुभाष अग्रवाल एवं महिला मंडल की पूरी टीम उपस्थित रही। इसके साथ ही ममता अग्रवाल के द्वारा एक जरूरतमंद दिव्यांग बालिका को लाभांडी स्थित गवर्नमेंट स्कूल में व्हीलचेयर प्रदान किया गया, नीरू अग्रवाल जी के सौजन्य से महिला मंडल की उपस्थिति में यह व्हीलचेयर प्रदान की गई।

खम्हारडीह बस्ती में जल संकट नलों में नहीं आ रहा पानी

रायपुर। भीषण गर्मी के बीच राजधानी रायपुर में जलसंकट गहराता जा रहा है। शहर के खम्हारडीह बस्ती स्थित सतनाम चौक में पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई ठप है, जिससे स्थानीय लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। यहां लोग बीते एक महीने से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। खम्हारडीह में हालात ये हैं कि नलों में पानी नहीं आ रहा। लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी भटकना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी के टैंकर भी बेहद कम मात्रा में भेजे जा रहे हैं, जिससे सभी तक पानी नहीं पहुंच पा रहा। बस्तीवासियों का आरोप है कि हर साल गर्मी के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। पानी की किल्लत से परेशान लोगों ने प्रशासन से जल्द व्यवस्था सुधारने और नियमित पानी सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

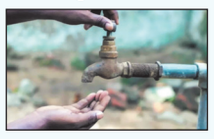

बजरंगपुर टोल के पास हाइवा और ट्रक की आमने-सामने टक्कर

रायपुर। रायपुर जिले के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र बजरंगपुर स्थित निर्माणाधीन टोल प्लाजा के पास सोमवार व मंगलवार की रात रेत से भरी तेज रफ्तार हाइवा और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आवाज करीब 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवापारा-अभनपुर मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 130-सी पर बजरंगपुर स्थित निर्माणाधीन टोल प्लाजा के पास रात करीब 1.15 बजे रेत से भरी हाइवा चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से आ रहे खाली ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और ट्रक में सवार लोग उसमें ही बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची।

बाबा साहेब के विचारों पर चलकर ही बनेगा बेहतर समाज: स्वास्थ्य मंत्री

- **चिकित्सा महाविद्यालय एवं अम्बेडकर अस्पताल में बाबा साहेब की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, बेहतर समाज निर्माण का दिया संदेश**

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके संदेशों को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी समानता की भावना है, जहां किसी की पहचान उसकी जाति या समुदाय से नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व और कर्म से होती है। उन्होंने कहा कि इस सोच को मजबूत करने में बाबा साहब का अतुलनीय योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि आज़ादी से पहले दलित, शोषित, पीड़ित और वंचित समाज के अंतिम व्यक्ति की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता था लेकिन बाबा साहब ने उनके अधिकारों, सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष कर उन्हें मुख्यधारा में स्थान दिलाया। इस संदर्भ में उन्होंने गुरु घासीदास बाबा के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को भी याद करते हुए सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें नृत्य, गीत एवं नाट्य मंचन के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र मंडल की पहली मांग पूरी दूसरी पर काम जारी: महापौर

रायपुर। महापौर निर्वाचित होने के बाद के जब मैं पहली बार महाराष्ट्र मंडल आई थी, तो मुझसे मंडल के अध्यक्ष अजय काले ने दो मांग की थी। पहली मांग आयुर्वेदिक कॉलेज के पास स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर की प्रातिमा लगाने की थी और दूसरी शहर के श्मशान घाटों में अंतिम संस्कार के लिए नि:शुल्क लकड़ी उपलब्ध कराने की थी। मंडल की पहली मांग वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। अब सिर्फ प्रतिमा बनवाकर अनावरण करना है। इसी तरह अंतिम संस्कार के लिए नि:शुल्क लकड़ी उपलब्ध कराने की दिशा में नगर निगम का प्रयास जारी है। महाराष्ट्र मंडल के चैत्र गौर हल्दी कुंकू कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे ने इस आशय के विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर महापौर मीनल को मंडल अध्यक्ष अजय काले, उपाध्यक्ष गीता श्याम दलाल, महिला प्रमुख विशाखा मदन तोपखानेवाले ने सूत माला, शाल- श्रीफल, स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। तत्पश्चात मीनल ने कहा कि महाराष्ट्र मंडल के कार्य हमें प्रेरित करते हैं। साथ ही हमें भी विभिन्न समाजों के लिए किस तरह के काम करने चाहिए, इस दिशा में मार्गदर्शन भी देते हैं।

अध्यक्षीय संबोधन में मंडल अध्यक्ष काले ने कहा कि महापौर मीनल ने वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। लंबे समय से हमारी लंबित मांग को महापौर मैडम ने सबसे पहले मेयर इन काउंसिल से पास कराया और पिछले हफ्ते ही नगर निगम की सामान्य सभा में इस प्रस्ताव को पास करवा लिया। हमें विश्वास है कि जल्दी ही वीर सावरकर की प्रेरक प्रतिमा का अनावरण आयुर्वेदिक कॉलेज के पास किया जाएगा। इन प्रयासों के लिए महापौर मीनल चौबे के प्रति महाराष्ट्र मंडल के सभी सभासद की ओर से मैं आभार व्यक्त करता हूं। इस मौके पर संत ज्ञानेश्वर सभागृह में उपस्थित सैकड़ों महिला सभासदों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

जनगणना कार्य के लिए प्रशिक्षण केंद्र का जिपं सीईओ ने किया निरीक्षण

- **समय-सीमा में त्रुटिरहित कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**

रायपुर। आगामी जनगणना कार्य का सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रायपुर जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन ने विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ जनगणना निदेशालय एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनों में स्कूलों एवं निर्धारित प्रशिक्षण केंद्रों पर मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री बिश्वरंजन ने निर्देशित किया कि भारत सरकार एवं राज्य जनगणना निदेशालय के दिशा-निर्देशों का पूर्णत: पालन करते हुए 1 मई 2026 से प्रारंभ होने वाले जनगणना के प्रथम चरण के समस्त कार्य निर्धारित समय-सीमा में, पूरी शुद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें।

उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए, ताकि मैदानी स्तर पर कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम जनगणना शाखा के प्रभारी अधिकारी एवं उपायुक्त श्री जसदेव सिंह बाबरा, जोन 1 के जनगणना चार्ज अधिकारी श्री अंशुल शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

वीआईपी रोड के फार्महाउसों में अवैध नशे की पार्टियों पर रोक लगाने युकां ने की मांग

रायपुर। प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव भावेश शुक्ला ने रायपुर की कमिश्नरेट प्रणाली पर सवाल उठाते हुए तेलीबांधा थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने वीआईपी रोड स्थित फार्महाउसों में चल रही अवैध नशे की पार्टियों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। भावेश शुक्ला ने बताया कि बीते कुछ दिनों से इन फार्महाउसों में रईसजादों द्वारा खुलेआम हुक्का एवं शराब का सेवन करते हुए पार्टियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ प्रशासन की जानकारी के बावजूद संचालित होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, जिससे आम जनता में गलत संदेश जा रहा है कि कानून केवल आम लोगों के लिए ही लागू है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद भी तेलीबांधा क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है, जबकि सामान्य वर्ग के लोगों पर छोटी-छोटी बातों में त्वरित कार्रवाई की जाती है। यह दोहरी नीति बेहद चिंताजनक है। भावेश शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि किसी प्रतिष्ठित एनजीओ की आड़ में इन अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे सामाजिक वातावरण एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

प्रदेश युवक कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए उसमें शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान कर सार्वजनिक किया जाए तथा आयोजकों एवं संबंधित फार्महाउस मालिकों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। साथ ही वीआईपी रोड क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने एवं यदि किसी प्रकार का संरक्षण दिया जा रहा है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भावेश शुक्ला ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी 2 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो प्रदेश युवक कांग्रेस उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव भावेश शुक्ला, प्रवक्ता शुभम, लक्षित, मृगेंद्र, जिला उपाध्यक्ष तारिक अनवर ख़ान, अतीक मेमन, मो. हसन, आशीष बाजपेयी, खुशराज ढिल्लन, जिशान, अनिकेत महतो, साहिल, कृष्णा एवं चंदन उपस्थित रहे।

नकली दवाओं के अवैध व्यापार पर खाद्य एवं औषधि विभाग की कार्यवाही

- **आमजन से अपील, केवल अधिकृत मेडिकल स्टोर्स से ही करें दवाओं की खरीदी**

रायपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा राज्य में नकली दवाओं के अवैध व्यापार के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुछ माह पूर्व नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट, गोगाँव से नकली दवाओं की जप्ती के प्रकरण में एक बड़ी कार्यवाही की गई थी। जांच के दौरान इस संगठित सप्लाई चेन में संलिप्त आरोपियों—रोचक अग्रवाल (बिजरासन मेडिकोज, इंदौर), सुरेंद्र कामनानी (प्रेम प्रकाश एजेंसी, भाटापारा) एवं खेमराज बानी (सरस्वती मेडिकल स्टोर, सारंगढ़) की भूमिका सामने आई, जिन्हें रायपुर में कल सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

उक्त प्रकरण की कड़ी में सरस्वती मेडिकल स्टोर, सारंगढ़ में दिनांक दिसंबर माह में विभाग द्वारा विस्तृत जांच एवं जब्ती की कार्यवाही की गई थी । निरीक्षण के दौरान संदिग्ध एवं नकली औषधियों के भंडारण एवं वितरण से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त हुए थे, जिन्हें विधिवत जप्त कर जांच में सम्मिलित किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तथा इस अवैध व्यापार के अन्य राज्यों से जुड़े होने की संभावना के आधार पर विभागीय टीम द्वारा अंतरराज्यीय जांच एवं विवेचना भी की गई। जांच के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर संबंधित आरोपियों एवं नेटवर्क की भूमिका का विस्तृत परीक्षण किया जा रहा है।

वर्तमान में प्रकरण में नियमानुसार अभियोजन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा प्रकरण से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं संस्थानों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि वे दवाओं की खरीद केवल अधिकृत मेडिकल स्टोर्स से ही करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना विभाग को दें। नकली दवाओं के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्यवाही भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन, ऐतिहासिक कदम: विजय

- **पीएम मोदी के फैसले का स्वागत**

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।कैबिनेट की इस मंजूरी को हर ओर स्वागत हो रहा है। इस ऐतिहासिक निर्णय पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो वादा करते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पार्टी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

विजय बघेल ने कहा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला यह बिल दशकों से लंबित था, जिसे अब मोदी सरकार ने धरातल पर उतारने का साहस दिखाया है। कांग्रेस ने केवल वर्षों तक इस मुद्दे पर राजनीति की और बकवास की। पूर्व की सरकारों में इच्छाशक्ति की कमी के कारण महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित रहीं।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में जो संकल्प लिया था, उसे सिद्ध कर दिखाया है। सांसद ने कहा कि विशेष सत्र के दौरान 16 से 18 अप्रैल को इस बिल पर गहन चर्चा होगी, जिसके बाद इस पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। यह अधिनियम देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा, जिला-सुकमा (छ. ग.)

// जोनल निविदा प्रथम आमंत्रण सूचना //

क्रमांक/58&60/NIT-02&03/व.ले.लि./ ग्रा.यां. सेवा/2026-27, सुकमा दिनांक 07/04/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकासखण्ड सुकमा, छिन्दगढ एवं कोन्टा अंतर्गत सिविल एवं आंतरिक विद्युतीकरण कार्य कराये जाने हेतु जोनल निविदा जोनवार आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2
(1) जोनल निविदा विकासखण्ड सुकमा, छिन्दगढ एवं कोन्टा अंतर्गत विभिन्न मदों में स्वीकृत रू.30.00 लाख एवं इससे कम लागत के भवन/मंच/पुलिया/बाउंड्रीवाल/नाली/सड़क एवं अन्य प्रकार के निर्माण कार्य हेतु (वि.ख. सुकमा हेतु 4 जोन, छिन्दगढ़-4 जोन एवं वि.ख. कोन्टा-3)	प्रत्येक जोन हेतु 40.00 लाख
(2) जोनल निविदा विकासखण्ड सुकमा, छिन्दगढ एवं कोन्टा अंतर्गत विभिन्न मदों में स्वीकृत भवन निर्माण कार्य जिसमें रू. 30.00 लाख एवं इससे कम लागत के आंतरिक विद्युतीकरण कार्य हेतु	प्रत्येक वि. खण्ड हेतु 40.00 लाख

निविदा डाऊनलोड एवं डी.डी. बनाने की अंतिम तिथि :- 20.04.2026

2. उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://res.cg.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

जी-262700167/6

कार्यपाल अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा, जिला सुकमा (छ . ग.)

अमेरिका के लिए अब अफ्रीकी देशों की चुनौती

सनत कुमार जैन

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अमेरिका की पारंपरिक ताकत को कई मोर्चों पर चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ब्रिक्स देशों के विस्तार और अमेरिका के प्रति नाराजी के बाद अब अफ्रीकन यूनियन भी वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका के खिलाफ अपनी भूमिका को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे बड़ा परिवर्तन आर्थिक मोर्चे पर देखने को मिल रहा है। लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व बना हुआ था। पहले पेट्रो-डॉलर की व्यवस्था कहा जाता है। डॉलर के जरिए पेट्रोलियम का कारोबार जब से शुरू हुआ है तब से डॉलर और अमेरिका दोनों का प्रभुत्व बढ़ता चला गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को धमकाया। वैश्विक व्यापार संधि को ठुकराते हुए उन्होंने अपने नियम कानून बनाने शुरू कर दिए। इससे अमेरिका की साख सारी दुनिया में घट गई। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को आधी रात को राष्ट्रपति भवन से उठा लिया था, इस कार्रवाई को दुनिया के किसी भी देश ने पसंद नहीं किया। अब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है, यह हमला उस समय हुआ था जब बातचीत चल रही थी। इस हमले के जरिए ईरान के धर्मगुरु सहित 180 छोटी-छोटी बच्चियों और हजारों लोगों की हत्या इजराइल और अमेरिका ने की है। उसके बाद से अमेरिका की मुश्किलें एक के बाद एक बढ़ती चली जा रही हैं। ईरान, रूस और चाइना जैसे देश अपने द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग लगातार बढ़ा रहे हैं। कई देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी से बांड और गोल्ड का स्टॉक निकाल लिया है। सारी दुनिया के देशों की डॉलर पर निर्भरता कम हो रही है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति भी दिन-प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। अमेरिका की आर्थिक और सामरिक ताकत ही सबसे बड़ी ताकत थी, जिसके बल पर वह सारी दुनिया में राज कर रहा था। यहां अफ्रीकी यूनियन का रुख भी महत्वपूर्ण हो चला है। अफ्रीका के कई देश मिलकर अपने संसाधनों विशेषकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय व्यापार व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों की पारंपरिक पकड़ और आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऐसे में यदि अफ्रीकी देश एकजुट होकर व्यापार और मुद्रा के नए विकल्प तलाश कर लेते हैं, तो बड़ी तेजी के साथ वैश्विक आर्थिक समीकरण बदलना तय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव विशेषकर इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने अमेरिका की ताकत को चुनौती देने का काम कई देश मिलकर कर रहे हैं। मुस्लिम देशों में भी अमेरिका की नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। जिसका असर अमेरिका की आर्थिक स्थिति में पड़ना तय है। यह कहना जल्दबाजी होगी, अमेरिका की शक्ति क्षीण हो रही है। सैन्य, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्रों में अमेरिका की बढ़त अभी भी कायम है। इतना स्पष्ट है, विश्व अब एकध्रुवीय व्यवस्था पर नहीं चल सकता है। नई शक्तियां तेजी के साथ उभर रही हैं। वैश्विक व्यवस्था बहुध्रुवीय दिशा में आगे बढ़ रही है। इस समय अमेरिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती नीतियों में लचीलापन लाकर नए शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध स्थापित करना होगा। पिछले 60 वर्षों से अमेरिका की जो दादागिरी थी अब वह देखने को नहीं मिलेगी। आने वाले वर्षों में यह देखना होगा, अमेरिका इस चुनौती का किस तरह से सामना करता है। डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर धमकी भरी नीतियाँ अमेरिका के लिए घातक हो सकती हैं।

राज्यों के नतीजे से तय होगी भाजपा की रणनीति

प्रभु चावला

भारतीय लोकतंत्र के थिएटर में तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और केरल के चुनाव भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए निर्णायक परीक्षा बनकर उभरे हैं। ये कोई साधारण राज्य स्तरीय मुकाबले नहीं हैं। ये केंद्र की सत्ताधारी व्यवस्था द्वारा राजनीतिक पूंजी, संसाधन और जनशक्ति के एक विशाल निवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री, एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री, 250 से अधिक सांसद और लगभग 10,000 पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर अभियान के लिए तैनात किया गया है, जिसने इन युद्धक्षेत्रों को राष्ट्रीय अखाड़े के विस्तार में बदल दिया है।

मोदी और शाह के लिए यह अभ्यास जितना रणनीतिक है, उतना ही व्यक्तिगत भी। यह इस बात की परीक्षा है कि क्या उनके दशक भर के प्रभुत्व की गति बरकरार रखी जा सकती है, या 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे, जहां भाजपा पूर्ण बहुमत से चुक गयी थी, किसी गहरी और बेचैन करने वाली राजनीतिक लहर का संकेत दे रहे हैं? असम में, भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 2016 और 2021 की जीत के बाद लगातार तीसरे ऐतिहासिक कार्यकाल की तलाश में है, ताकि पूर्वोत्तर में अपनी मजबूत पकड़ बनाये रखने के साथ सुशासन का निरंतर सिलसिला पेश किया जा सके। पुडुचेरी में गठबंधन अपने एनडीए सहयोगी के माध्यम से सत्ता बरकरार रखने का लक्ष्य बना रहा है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में उपस्थिति और मजबूत हो।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ मजबूत गठबंधन बनाकर भाजपा स्टालिन की द्रमुक सरकार को झटका देने की तैयारी में है। केरल भाजपा के लिए एक कठिन क्षेत्र रहा है और वहां पार्टी करीब आधा दर्जन सीटों पर नजर गड़ाये हुए है, ताकि वाम और कांग्रेस के मजबूत क्षेत्रीय गढ़ों में सांकेतिक पर महत्वपूर्ण सेंध लगाई जा सके। और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करना सबसे बड़ा पुरस्कार होगा। मोदी और शाह के लिए पश्चिम बंगाल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय बन गये हैं। वर्ष 2019 में भाजपा की बड़ी सफलता के बाद दोनों ने पश्चिम बंगाल में भारी राजनीतिक पूंजी निवेश किया था।

मोदी और शाह के लिए यह अभ्यास जितना रणनीतिक है, उतना ही व्यक्तिगत भी। यह इस बात की परीक्षा है कि क्या उनके दशक भर के प्रभुत्व की गति बरकरार रखी जा सकती है, या 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे, जहां भाजपा पूर्ण बहुमत से चुक गयी थी, किसी गहरी और बेचैन करने वाली राजनीतिक लहर का संकेत दे रहे हैं?

वर्ष 2021 के चुनाव में भाजपा 2016 की तीन सीटों और करीब 10 प्रतिशत वोट से नाटकीय रूप से बढ़कर 77 सीटों और करीब 39 फीसदी वोट तक पहुंच गयी थी। फिर भी वह सत्ता से काफी दूर रह गयी, क्योंकि तृणमूल ने 200 से अधिक सीटों और 48 फीसदी वोटों के साथ प्रचंड जीत हासिल की। इस साल हो रहे चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजों से उभरने वाले परिदृश्य तात्कालिक शासन और 2029 की लंबी राह, दोनों पर दूरगामी प्रभाव डालेंगे। भाजपा के लिए सबसे अनुकूल परिणाम यह होगा = असम और पुडुचेरी में अपनी सत्ता बरकरार रखना, पश्चिम बंगाल में 100 का आंकड़ा पार करना, केरल में विश्वसनीय बढ़त हासिल करना और तमिलनाडु में पैठ बनाना।

ऐसा प्रदर्शन नरेंद्र मोदी की अजेय छवि को और चमका देगा। मोदी की छवि एक ऐसे नेता की छवि है, जिसने आर्थिक उथल-पुथल, वैश्विक बदलावों और घरेलू परिवर्तन के बीच दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अपनी अचूक चुनावी सूझबूझ से आगे बढ़ाया है। इससे अमित शाह की भी और दमदार छवि बनेगी, जिन्होंने भाजपा को एक क्षेत्रीय दावेदार से सदस्यता के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने की योजना तैयार की। देश के ज्यादातर राज्यों में सत्ता हासिल करने के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों पर विचार कर सकता है, संघीय शक्ति के संतुलन को पुनर्गठित कर सकता है, संस्थागत सुधारों को गति दे सकता है और शासन के अधिक केंद्रीकृत मॉडल को मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी सरकार और पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल शुरू कर सकते हैं और पुरानी संरचना में नयी ऊर्जा फूंकने के लिए युवा पीढ़ी को शामिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्रियों को बदला जा सकता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा सांस्कृतिक मुखरता को प्राथमिकता देने के लिए शासन मॉडल को पुनर्गठित किया जा सकता है। तब 2029 की राष्ट्रीय रणनीति को एक विजय यात्रा के रूप में लिखा जायेगा। भारत के अजेय उत्थान की इस कहानी में विकास, कूटनीति और सभ्यतागत आत्मविश्वास को सहजता से बुना जायेगा, आर्थिक नीति निर्णायक रूप से त्वरित उदारीकरण की ओर झुकेगी।

वैचारिक मोर्चे पर, सांस्कृतिक राष्ट्रवादी परियोजना गति पकड़ेगी, जिससे पार्टी दक्षिण और पूर्व में गठबंधन प्रबंधन के माध्यम से अपने हिंदी भाषी गढ़ से आगे बढ़ने में सक्षम होगी। इसके विपरीत एक खराब प्रदर्शन-असम में हार, पश्चिम बंगाल में ठहराव, केरल में शून्य, तमिलनाडु में नगण्य लाभ और पुडुचेरी का हाथ से निकल जाना-2024 के झटके के बाद दूसरे बड़े बदलाव को जन्म देगा।

यह सत्तारूढ़ गठबंधन के अजेय होने का नैरेटिव तोड़ देगा और मोदी-शाह को क्षेत्रीयता, सत्ता-विरोधी लहर और भारतीय राजनीतिक संस्कृति की विविधता का सामना करने के लिए छोड़ देगा। इससे चुनावी जीत और प्रभावी शासन की उनकी साख में गिरावट आयेगी और 2029 की चुनावी रणनीति को वैचारिक कट्टरता से हटकर व्यावहारिक गठबंधन-निर्माण, केंद्रीकृत सुधारों से नपे-तुले कल्याणकारी लोकलुभावनवाद और आक्रामक संदेशों से अधिक बहुलवादी स्वर की ओर मुड़ना होगा, जो कि द्रविड़, वामपंथी और क्षेत्रीय संवेदनाओं को समाहित कर सके। तब एनडीए सहयोगी अधिक रियायतों की मांग करेंगे, जिससे 2029 का चुनाव राज्याभिषेक के बजाय 'समझौता' बनकर रह जायेगा। वैसे में, भाजपा और संघ के भीतर सामूहिक नेतृत्व की वकालत करने वाली आवाजें तेज हो सकती हैं।

इतिहास इस संबंध में गंभीर समानता पेश करता है। जवाहरलाल नेहरू के निरंतर चुनावी प्रभुत्व ने उन्हें धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र और गुटनिरपेक्षता को इतनी गहराई से स्थापित करने की अनुमति दी कि उन्होंने दशकों तक भारत की छवि को परिभाषित किया। इंदिरा गांधी की 1971 की भारी जीत ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण से लेकर अभूतपूर्व केंद्रीकरण तक व्यापक बदलाव किये, जिसने आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। मोदी और शाह समान मोड़ पर खड़े हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आर्थिक आधुनिकीकरण और मुखर कूटनीति में निहित उनकी परियोजना ने भारत के व्याकरण को पहले ही बदल दिया है। ये चुनाव केवल क्षेत्रीय मुकाबले नहीं हैं। ये 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पहली बड़ी चुनावी गणना हैं, जो 2029 की नींव रखेंगे।

पुराण दिग्दर्शन ....

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

वास्तव में प्रकृति के नियन्त्रण से समय समय पर न्यूनाधिक अङ्गों वाले बालक सदा पैदा होते ही चले आये हैं। प्रतिवर्ष अब भी कहीं न कहीं से ऐसे विलक्षण बच्चों की पैदायश के समाचार आते ही रहते हैं, परन्तु अब ऐसे बच्चे प्राथ. अधिक समय तक जीवित नहीं रहते। वेदों और पुराणों में जिए जमाने में विश्वरूप का होना प्रकट किया है उसे गुजरे दो शर्व वर्ष बीत चुके हैं, अत: क्या आश्चर्य है कि तब त्रिशिरा बालक विश्वरूप जीवित रह गया हो।

वृल-वध से ब्रह्महत्या

पुराणों में एक कथा इन्द्र द्वारा वृत्रासुर के मारे जाने से सम्बन्ध रखने वाली है। हमारे मित्र इस को भी ब्रह्महत्या-पूर्ण होने के कारण धर्मविरुद्ध बताया करते हैं, साथ ही वृत्रासुर का भूमि से (द्यौ:) ग्राकाशपर्यन्त समस्त अन्तरिक्ष में अभिध्याप्त होकर लम्बा चौड़ा पहाड़ जैसा रूप बनाना एवं मूर्तिमती ब्रह्महत्या का इन्द्र से चिपटना भी असम्भव कहा करते हैं। एतदर्थ हम यहां दोनों स्वरूपों को प्रकट करके पश्चात् इसका विवेचन करेंगे।

वैदिक-स्वरूप

(क) अहन्वृत्रं वृत्रतरं व्यंसमिन्द्रो वज्रण महता वधेन। स्कन्धांसीव कुलिशेनाविवृक्रणाहि: शयत उपपृक् पृथिव्या:।।5।।

(ऋग्वेद 1 ।32 ।5)

(ख) वृत्रो ह वा इद 17 सर्वं वृत्वा शिश्ये।। यदिद-मन्तरेण द्यावापृथिवी स यदिद7 सर्वं वृत्वा शिश्ये तस्माद् वृत्रो नाम।

(शतपथ 1।1।3।5)

(ग) तस्य (वृत्रस्य) एतच्छरीरं यद् गिरयो यदश्मान:। (शतपथ 3।4।3 ।13)

(घ) इन्द्र ह यत्र वृत्राय वज्रं प्रजहार।

(शतपथ 1।2।4।1)

क्रमश: ...

विश्व कला दिवस

सुनील कुमार महला

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र, या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह

यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने, समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है। अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ। सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दु:ख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है।

अमेरिका-ईरान की वार्ता फेल होने के मायने

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार भर नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पडने् वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का भी प्रतिबिंब है। ऐसे में यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा—हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी कि क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें जो कि अमेरिका शुरु से मानने से इंकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई जो बताया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश की बातें साझा की जो वार्ता का हल ही अस्पष्ट कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी। इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं।

सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इज़रायल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है।दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है, और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था। लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा।तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता, तो यह दर्शाता है कि

आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास निर्माण और ठोस राजनीतिक इछाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है।

वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इछा जताई है, लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं।इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान क्षेत्र में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है, जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती।वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है—परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुंह मोडने् जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक परिदृश्य में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय नियंत्रित दबाव की नीति अपना रहा है।

दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा। तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इजरायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना, और जरूरत पडने् पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना—ये सभी कदम उसकी डिटरेंस नीति का हिस्सा होंगे। चौथा, कूटनीति के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे। अमेरिका यह समझता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका बातचीत ही है। इसलिए भविष्य में नई शर्तों के साथ किसी नए परमाणु समझौते की संभावना बनी रहेगी, भले ही वर्तमान हालात तनावपूर्ण क्यों न हों। अमेरिका का रुख एक दोहरी रणनीति पर आधारित रहेगा—एक तरफ दबाव और प्रतिबंध, दूसरी तरफ संवाद और समझौते की कोशिश। यह नीति तत्काल समाधान तो नहीं देगी, लेकिन क्षेत्र में बड़े युद्ध को टालने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करने का प्रयास अवश्य करेगी।

देखना होगा कि युद्ध किसी मसले का हल नहीं है जबकि ऐसे में जब ईरान होर्मूज पर कब्जा कर बैठा है। अगर जैसा कि ईरान धमकी दे रहा है कि उसने होर्मूज में अपनी माइंस की लोकेशन मिल नहीं रही या इंटरनेट की केबिल काट देगा? यानी फिलाहल विश्व का ऊर्जा संकट टालने हेतू ईरान से शांति वार्ता बेहद जरूरी है।

आज का इतिहास

1820 वुर्टेमबर्ग के राजा विलियम-द्व ने अपने चचेरे भाई पॉलिन थेरेसे से स्टटगार्ट में शादी की।
1840 किंग्स कॉलेज अस्पताल लंदन में खुला।
1847 लॉरेंस स्कूल सानवार की स्थापना की गयी।
1877 टोक्यो विश्वविद्यालय आधिकारिक तौर पर जापान में स्थापित किया गया।
1892 जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी न्यूयॉर्क में स्थापित की गयी।
1912 यात्री लाइनर आरएमएस टाइटैनिक एक हिमशैल से टकराने के बाद लगभग दो घंटे और चालीस मिनट में डूब गया, जिसमें 1,500 से अधिक लोग मारे गए।
1922 अमेरिकी सीनेटर जॉन बी केंड्रिक ने एक गुप्त भूमि सौदे की जांच के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसके कारण चायदोट डोम घोटाले की खोज हुई।
1922 महान पूडल डॉग रेस्तरां सैन फ्रांसिस्को में बंद किया गया।
1923 डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए इंन्सुलिन बाजार में उपलब्ध हुआ।
1927 मूसलाधार बारिश के कारण मिसिसिपी नदी 145 स्थानों पर अपनी लेवी प्रणाली से बाहर हो गई, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में सबसे बुरी बाढ़ आ गई।
1927 स्विट्जरलैंड और तत्कालीन सोवियत संघ राजनयिक संबंध बनाने पर सहमत हुए।
1947 जैकी रॉबिन्सन, जो पहले अफ्रीकी अमेरिकी थे, जिन्होंने ब्रेडबॉल रंग रेखा को तोड़ने के लिए, मेजर लीग बेसबॉल में अपना पहला खेल खेला था।
1952 विमान के अधिकांश इतिहास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेना द्वारा संचालित बी -52 स्ट्रैटोफ़ोर्ट, एक लंबी दूरी की, सबसोनिक, जेट-संचालित, रणनीतिक बमवर्षक ने अपनी पहली उड़ान भरी।
1958 वाल्टर ओ मले की पहल पर, लॉस एंजिल्स डोजर्स और सेन फ्रांसिस्को दिग्गज ने यूएस वेस्ट कोस्ट के पहले मेजर लीग बेसबॉल गेम में खेला।
1986 अमेरिकी सशस्त्र बलों ने लीबिया पर बमबारी शुरू कर दी ताकि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का समर्थन करने की थॉटआउट की क्षमता को कम करने की कोशिश की जा सके।
1989 पूर्व चीनी महासचिव हू याओबांग की मौत ने कई घटनाओं को जन्म दिया, जिसके कारण बीजिंग में तियानमेन चौक का विरोध हुआ।
1991 706 प्रदर्शनों के लिए सीक्रेट गार्डन सेंट जेम्स थियेटर न्यूयॉर्क सिटी में खुलता है।

दुनिया तेजी से बदल रही, अगले 5 साल भारत के लिए बड़ा मौका

शेखर गुप्ता

इस समय दुनिया तमाम युद्धों, बदलते और टूटते गठबंधनों और कठोर शक्ति की वापसी के बीच इस कदर उलझी हुई है कि यह भारत के लिए एक अवसर बन गया है। भारत को अपने भीतर झांककर देखना चाहिए। यह संकट एक और ऐसा अवसर है जिसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए।

दरअसल इन महाशक्तियों और आक्रामक पड़ोसियों की व्यस्तताओं के बीच भारत को एक ऐसा अवसर मिला है जिसकी शायद उसे प्रतीक्षा होगी। एक ऐसा अवसर जहां वह अपनी कुछ अहम कमजोरियों को दूर करने की दिशा में प्रयास कर सके, अपना बचाव तैयार कर सके और खुद को आगामी संकट से बचने के लिए तैयार कर सके।

इसका यह मतलब भी है कि भारत इतना अनुशासित रहे कि ऐसे समय में अचानक हड़बड़ी में कोई प्रतिक्रिया न दे बैठे जिसे पाकिस्तान अपने मौके रूप में देख रहा है। उसे इस मौके को भुनाने देना चाहिए। इस बीच हमें कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिए। याद कीजिए कि हमने जनवरी में अपने इसी स्तंभ में 'पाकिस्तान से आजादी' की बात कही थी। इसलिए हमें उससे आगे निकलकर यह सोचना चाहिए कि पश्चिम एशिया में शांति हमारे लिए अच्छी है फिर चाहे वह किसी तरह आए।

सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि दुनिया के विचलित होने का क्या अर्थ है। पाकिस्तान शांति की स्थापना करने वाला देश बनने का आनंद ले रहा है। कोई गारंटी नहीं है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है कि वह निकट भविष्य में हमारे साथ किसी किस्म का दुस्साहस करे।

अपने रिकॉर्ड को देखते हुए, वह इस नए अवसर को निभाने की कोशिश करेगा और फिर आर्थिक और सैन्य सहायता में इसका पूरा लाभ उठाएगा। उसके पास स्वयं बहुत अधिक खरीदने के लिए धन नहीं होगा, लेकिन संभवत: वह सऊदी अरब, यहां तक कि कतर से धन की तलाश करेगा जबकि अमेरिकी फिर से बिक्री शुरू करेंगे। बहरहाल, इन चीजों में समय लगता है।

डॉनल्ड ट्रंप को अपने ईरान अभियान को शांति और किसी विश्वसनीय विजय दावे के साथ समाप्त करने का रास्ता खोजना होगा। इजरायल अपने युद्धोत्तर रणनीतिक कदमों का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। अरब की खाड़ी के देश मित्र और शत्रु की परिभाषा को फिर से तय कर रहे हैं। हमारा नया मित्र यूरोप और सबसे पुराना साझेदार रूस अपने तात्कालिक पड़ोस पर नई दृष्टि डाल रहे हैं।

दूसरी आक्रामक शक्ति यानी चीन, चुपचाप देख रहा है जबकि बड़ी ताकत खुद उलझ रही है और उसे उबरने के लिए चीन के संरक्षण की आवश्यकता है। नेपोलियन जैसे सिद्धांत का पालन करते हुए, चीन न केवल दुश्मन (अमेरिका) को गलती करते समय बाधित नहीं करेगा, बल्कि वह युद्धग्रस्त पश्चिम एशिया, विशेषकर ईरान से लाभ उठाने की तैयारी भी करेगा। यदि शांति आती है तो पुनर्निर्माण में सैकड़ों अरब डॉलर लगेंगे। ठेकेदारों की सेनाएं क्षेत्र में उतरेंगी, जिससे निर्माण क्रेनों की वैश्विक कमी हो जाएगी। चीनी चाहते हैं कि इनमें से अधिकांश उनके पास हों। वे उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत के साथ नई परेशानियां फिलहाल उनकी प्राथमिकता नहीं होंगी। यह हमारे विरोधियों

का हिसाब करता है।

करीबी दोस्त, संभावित साझेदार और प्रतिद्वंद्वी सभी उलझे हुए हैं और ऐसे में भारत उस दौर से गुजर रहा है जहां वह अपनी ताकत में शांति के साथ इजाफा कर सकता है। मैं आशावादी होने का जोखिम उठाऊंगा।

आजादी के बाद से ही हमें औसतन हर पांच साल में सुरक्षा के क्षेत्र में बड़े खतरे का सामना करना पड़ा है। इसकी शुरुआत जम्मू-कश्मीर में दो सीजन तक चले युद्ध से हुई, इसके बाद गोवा का मामला आया जहां नाटो के अनुच्छेद 5 की आड़ लेकर पुर्तगाल जमा हुआ था, 1961 में गोवा को आजादी मिली, फिर 1962, 1965 और 1971 में चीन और पास्तिान के साथ युद्ध हुए। 1967 में नाथुला में तगड़ी झड़प हुई। यानी 24 साल में 5 बार हमें सैन्य चुनौती का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान की हार और उसके विभाजन ने कुछ राहत दी लेकिन 1986 के बाद से सामरिक चुनौती बार-बार सामने आने लगी है। 1986-87 में चीन के साथ वांगडुंग/समदोरोंग चू, ऑपरेशन ब्रास्टैक्स, 1990 में कश्मीर में पाकिस्तान से युद्ध का खतरा और पहली परमाणु चेतावनी इसमें शामिल रहे।

उसके बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। 1999 में करगिल, 2001 में संसद पर हमला और ऑपरेशन पराक्रम, 2008 में 26/11 के हमले और फिर उड़ी, पुलवामा, पहलगाम आदि। इस बीच चीन ने भी कम से कम तीन बार तनाव बढ़ाने का काम किया। 2009 में दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा को लेकर और 2013-14 में देपसांग और चुमार में। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध पैदा हुआ जिसे अब शांत तो कर दिया गया है मगर सुलझाया नहीं गया है। मामूली गणित भी बता देगा कि हर पांच साल पर संकट का सामना करना पड़ा।

हमने ऊपर जिन भटकावों की बात की उन्होंने पांच-पांच साल वाले अमन के दौर भी आरंभ किए। मैं अभी भी पांच साल की अवधि पर इसलिए टिका हूं क्योंकि 2030 में आसिम मुनीर की सेवा विस्तार अवधि समाप्त होगी। उस वक्त वह केवल 62 साल के होंगे। यही वह उम्र है जब भारत के सशस्त्र बलों के प्रमुख सामान्य तौर पर सेवानिवृत्त होते हैं। उस समय तक वह चार भारतीय सेना अध्यक्षों का कार्यकाल देख चुके होंगे।

पाकिस्तान या दुनिया के अन्य स्थानों के तानाशाहों के बारे में हम यह जानते हैं कि उनकी कोई सेवानिवृत्ति योजना नहीं होती। ऐसे में पाकिस्तानी फील्डमार्शल भला 62 साल की उम्र में क्यों सेवानिवृत्त होने लगे? पाकिस्तान की दशा और दिशा को देखते हुए उस समय तक उनके बहुत अलोकप्रिय हो जाने की उम्मीद है। पाकिस्तानी तानाशाहों के पास इसका एक ही हल है, भारत के साथ युद्ध जैसे हालात बनाना। यही वजह है कि हमने अपने आशावाद को पांच सालों तक सीमित रखा है।

चीन देख रहा है कि ट्रंप अमेरिका को कमजोर कर रहे हैं, अपने गठबंधनों को तोड़ रहे हैं और विभाजित अमेरिका में उत्तराधिकारी अपना रास्ता बना रहा है तब चीन को भी इस अवधि की जरूरत होगी। चीन को भी अपने कथित खोए हुए क्षेत्र को वापस हासिल करने के पुराने सपने को साकार करने लायक मजबूती का एहसास हासिल करने के लिए पांच साल की जरूरत होगी। उस सपने में ताइवान, साउथ चाइना के द्वीप और शायद हिमालय भी शामिल हैं। अगर यह आशावादी पाठ सही साबित होता है और भारत को ये पांच साल मिल जाते हैं तो वह इन पांच वर्षों का क्या करेगा? हमने जो आत्मावलोकन की बात कही उसका क्या आशय है?

ट्रंप की कारोबार के क्षेत्र में जबरदस्ती, ऑपरेशन सिंदूर में रक्षा आधुनिकीकरण संबंधी कमियां और खाड़ी युद्ध ने भारत की पांच अहम कमजोरियों को उजागर किया। ये हैं- सैन्य आधुनिकीकरण, ऊर्जा निर्भरता, अंतरिक्ष अभियानों की कमजोरी, उर्वरक और महत्त्वपूर्ण खनिज क्षेत्र। इनसे पांच साल में नहीं निपटा जा सकता है लेकिन कमियों को दूर करने की कोशिश की जा सकती है।

सैन्य मोर्चे पर कुछ बदलाव आया है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद अभी भी हम काम कम बातें अधिक कर रहे हैं। बदलाव की गति तेज होनी चाहिए। ऊर्जा चुनौती अधिक जटिल है। नए खनन क्षेत्रों से परिणाम हासिल होने में ज्यादा समय लगेगा।

भारत को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसमें सार्वजनिक और निजी परिवहन के लिए विद्युतीकरण, एथनॉल मिश्रण (गन्ने या धान की बजाय मक्का से), कोयला गैसीकरण और सामान्य खनन आदि शामिल हैं। कोयले से प्राप्त सिंथेटिक गैस का पहला उत्पादन उर्वरकों को आवंटित किया जाना चाहिए। खनन के क्षेत्र में हम काफी समय से पिछड़े हुए हैं।

नया कानून है, सुधार के लिए बहुत प्रयास हो रहे हैं, लेकिन सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों की छाया और भारी हस्तक्षेप इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को स्वतंत्र नहीं कर पाते। इसका नवीनतम उदाहरण है एक जिला खनन अधिकारी द्वारा टाटा समूह पर 'अधिक खनन' के लिए 1,755 करोड़ रुपये का नोटिस जारी करना। साल 2001 से 2006 के बीच 'अपराध' यह अपराध हुआ। यह सर्वोच्च न्यायालय के एक खामी भरे आदेश से निकला था। लेकिन विधायिका को इसे ठीक करना चाहिए।

इस तरह आप उन रणनीतिक निर्भरताओं का समाधान नहीं कर सकते जिन्होंने आपको पिछले कई महीनों में इतना असुरक्षित और असहाय बना दिया। यहां नई संभावनाएं मौजूद हैं क्योंकि सशस्त्र माओवाद के अंत ने खनिज-समृद्ध मध्य-पूर्वी भारत को मुक्त कर दिया है।

अंतत:, हमारे अपने अनुभवों से एक महत्त्वपूर्ण सबक है। भारत ने कश्मीर में मानवाधिकारों पर पश्चिमी चुनौती (1994), पोकरण-2 (1998) प्रतिबंध और करगिल को पहले की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से क्यों संभाला? क्योंकि हमने 1991 में अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार किया और हमें एक उभरती शक्ति के रूप में देखा गया। एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था हमारे लिए सबसे बड़ी रणनीतिक प्रतिरोधक है।

दक्षिण में हिंदी विरोधी राजनीति की जमीनी हकीकत अलग!

उमेश चतुर्वेदी

दक्षिण भारत के ताकतवर क्षेत्रीय दलों के लिए हिंदी विरोध राष्ट्रीय दलों को किनारे करने का ताकतवर हथियार रहा है। दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय दलों को उत्तर भारतीय मानसिकता का नजदीकी जताने-बताने में भी सफल हैं। तमिलनाडु के मौजूदा विधानसभा चुनाव के बीच भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन हिंदी को मुद्दा बना रहे हैं। वे सीधे-सीधे भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वह तीसरी भाषा के नाम पर हिंदी को थोप रही है। कर्नाटक में हिंदी विरोध को लेकर तमिलनाडु जैसा हिंसक आंदोलन तो नहीं हुआ, लेकिन वहां भी विरोधी सुर उठते रहे हैं। लेकिन इसी कर्नाटक से हिंदी को लेकर आई रिपोर्ट दक्षिण भारतीय राज्यों के हिंदी विरोधी नैरेटिव की पोल खोलती नजर आ रही है। कर्नाटक की बोर्ड परीक्षाओं में नई शिक्षा नीति के तहत तीन भाषाओं की पढ़ाई जरूरी हो चुकी है। नीति के तहत इनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। आमतौर पर गैरहिंदीभाषी राज्यों के छात्र पहली भाषा के तौर पर अपने राज्य की भाषा को चुनते हैं, दूसरी भाषा के तौर पर अंग्रेजी का ही जोर रहता है। तीसरी भाषा के रूप में कई भारतीय भाषाओं के विकल्प हैं। लेकिन कर्नाटक की बोर्ड परीक्षा में इस साल बैठ रहे जिन आठ लाख दस हजार छात्रों ने तीसरी भाषा का चयन किया है, उनमें करीब 93 प्रतिशत यानी करीब साढ़े सात लाख छात्रों ने तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को चुना है। कर्नाटक के ठीक बगल के राज्य तमिलनाडु में हिंदी को लेकर छात्रों में ऐसा उत्साह नहीं दिख रहा तो इसकी वजह यह है कि सत्ताधारी द्रमुक राजनीति ने राज्य में त्रिभाषा फॉर्मूला अभी लागू नहीं किया है। वह इसे हिंदी थोपने का बहाना मानती है। ठीक चुनावों के बीच स्टालिन द्वारा हिंदी थोपने का मुद्दा बनाने का उद्देश्य राज्य में हिंदी को लेकर ध्रुवीकरण करना है। इसके जरिये वे अपने विरोधी गठबंधन की अगुआई कर रही अन्नाद्रमुक के सामने धर्मसंकट की स्थिति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। स्टालिन हिंदी थोपने की केंद्रीय राजनीति की आलोचना के लिए अन्नाद्रमुक को मजबूर कर रहे हैं। अन्नाद्रमुक अगर हिंदी थोपने की बात को स्वीकार नहीं करती तो स्टालिन जनता के बीच संदेश दे सकते हैं कि अन्नाद्रमुक तमिल स्वाभिमान को नहीं मानती और अगर वह स्टालिन की तरह त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने से जोड़ती है तो भाजपा के साथ गठबंधन पर असर पड़ सकता है या भाजपा के लिए जवाब देना मुश्किल होगा। लेकिन इतना तय है कि अगर तमिलनाडु में भी हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने का मौका मिले तो वहां भी छात्रों की संख्या बढ़ सकती है। इससे हिंदी विरोधी राजनीति की पोल कुछ वैसे ही खुल सकती है, जिस तरह कर्नाटक के छात्रों के चयन से हुआ है। हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा ले चुकी तमिल पीढ़ी अब बुजुर्ग हो चुकी है। वह मानती है कि हिंदी न सीखने की वजह से उसे बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए राज्य में हिंदी सिखाने वाली संस्थाओं की संख्या बढ़ी है। कई पब्लिक स्कूल अपने विज्ञापन में हिंदी पढ़ाने को अपने यहां की विशेष सहूलियत के रूप में दिखाते हैं। तमिलनाडु और कर्नाटक के पड़ोसी केरल में मतदान हो चुका है। यहां के लोगों में अपनी मलयालम भाषा को लेकर गहरा प्रेम है। वे हिंदी से शिद्दत से प्यार भले न करें लेकिन तमिलनाडु की तरह विरोध भी नहीं करते।

बंगाल चुनाव : आखिर क्या है वामपंथियों की चुनावी स्थिति?

सत्येंद्र प्रताप सिंह

1977 से 2011 तक 34 साल लगातार सत्ता में रहे वामपंथी दल अब लगातार संघर्ष कर रहे हैं। सत्ता से बेदखल होने के 10 साल बाद 2011 के विधानसभा चुनाव में खाता तक नहीं खोल पाए। अब विधानसभा चुनाव 2026 में अधिकांश नए व युवा चेहरों के सहारे चुनावी मैदान में हैं। वामपंथी दलों के साथ आखिर ऐसा क्यों हुआ? यह जानने के पहले जरा पीछे चलना लाजमी होगा कि यह शिखर से सिफर तक आखिर कैसे पहुंचे! सत्ता में जब यह 1977 में आये थे, वामपंथी दलों के चुनावी प्रदर्शन से स्वयं ज्योति बसु हतप्रभ थे। यह सुखद विस्मय था सीपीएम व वाममोर्चा के लिए। होता भी क्यों नहीं! वाममोर्चा को 294 सदस्यीय विधानसभा में 231 सीटें और बड़े भाई की भूमिका निभा रहे सीपीएम को 178 सीटें आईं थीं। सीपीएम को ही बहुमत से 30 सीटें अधिक थी।

ज्योति बसु 21 जून 1977 से 5 नवंबर 2020 तक 23 साल से अधिक मुख्यमंत्री रहे। इनके मुख्यमंत्रित्व काल में हुए हर चुनाव में वाममोर्चा को दो सौ प्लस और सीपीएम को डेढ़ सौ प्लस सीटें आईं। यानी सीपीएम अपने बलबूते बहुमत में आती थी, लेकिन गठबंधन धर्म को ज्योति बसु ने बखूबी निभाया। वाममोर्चा में शरीक सभी वामपंथी दलों को उचित प्रतिनिधित्व व सम्मान दिए।

सत्ता में आने के बाद 1982 के दूसरे विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा को 209 और सीपीएम को 174 सीटें आईं। तीसरे विधानसभा चुनाव 1987 में वाममोर्चा को 212 और सीपीएम को 187 सीटें, चौथे विधानसभा चुनाव 1991 में वाममोर्चा को 204 सीटें और सीपीएम को 182 सीटें और पांचवें विधानसभा चुनाव में 1996 में वाममोर्चा को 213 और सीपीएम को 153 सीटें आईं थीं।

ज्योति बसु अपनी उम्र जनित अस्वस्थता को देखते हुए बुद्धदेव भट्टाचार्य को 12 जनवरी 1999 को उप-मुख्यमंत्री बनाये जो कि इस पद पर 5 नवंबर 2020 तक रहे। मुख्यमंत्री ज्योति बसु के इस्तीफा देने के बाद 6 नवंबर

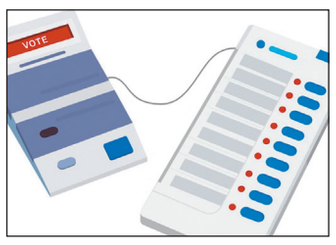

2020 को बुद्धदेव भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इस पद पर 20 मई 2011 तक रहे। बुद्धदेव भट्टाचार्य के कार्यकाल में तीन विधानसभा चुनाव हुए। बुद्धदेव भट्टाचार्य के पहले विधानसभा चुनाव 2001 में वाममोर्चा को 211 और सीपीएम को 143 सीटें आईं। पहली बार सीपीएम को बहुमत से पांच सीटें कम थीं। टीएमसी 60 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल बनी। दूसरे विधानसभा चुनाव 2006 में वाममोर्चा को 235 सीटें और सीपीएम को 176 सीटें आईं। तीसरे विधानसभा चुनाव 2011 में वाममोर्चा को महज 62 सीटें और सीपीएम को 40 सीटें आईं।

टीएमसी 184 सीटें जीतकर 2011 में सत्ता में आई और इसके बाद बुद्धदेव भट्टाचार्य शारीरिक अस्वस्थता के चलते सक्रिय राजनीति से अलग हो गए। बुद्धदेव भट्टाचार्य के बाद डॉ सूर्यकांत मिश्रा ने कमान संभाला और 2016 के विधानसभा चुनाव में सीपीएम को मात्र 26 सीटें आईं। दूसरी तरफ टीएमसी को दो सौ प्लस यानी 211 सीटें आईं। सीपीएम अपने 187 सर्वाधिक सीट से 26 पर आ गई। 2021 के विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा का ही खाता नहीं खुला। टीएमसी दूसरी बार दो सौ प्लस यानी 215 सीटें जीती। 34 साल सत्ता में रहने के बाद वामपंथी दलों के साथ ऐसा क्यों और क्या हुआ कि शिखर से सिफर तक पहुंच गए! भ्रष्टाचार का ऐसा कोई गंभीर आरोप न ही सरकार या किसी मंत्री या विधायक पर लगा! 2011 में जब टीएमसी ने 34 साल के अजेय शासन को उखाड़ फेंका था, तब भी सीपीएम के पास अपना 40 फीसदी वोट बैंक सुरक्षित था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि महज एक दशक में यह मजबूत किला ताश के पत्तों की तरह ढह गया और वोट 5 फीसदी रह गया।

दरअसल, सत्ता की आदत, कैडरों का बीजेपी की ओर पलायन और युवा नेतृत्व की अनदेखी ने लाल झंडे को हाशिए पर धकेल दिया। फिर, जब वाममोर्चा ने उद्योगों को फिर से स्थापित करने की पहल की, तो सिंगूर और नंदीग्राम जैसी घटनाओं के कारण हालात बिगड़ गए और जो जनमत तैयार हुआ, वह पार्टी के ही खिलाफ चला गया। जो लोग पहले से ही सीपीएम से ऊब चुके थे, वे उसके विरोध में सड़कों पर उतर आए। इसका फायदा ममता बनर्जी की टीएमसी ने उठाया और सत्ता हासिल कर ली। दूसरी तरफ वामपंथी वोटों के गायब होने से जो राजनीतिक खालीपन पैदा हुआ, उसे वामपंथियों की तरह दूसरी कैडर वाली पार्टी बीजेपी ने भर दिया। जबकि बीजेपी वैचारिक रूप से वामपंथियों के बिल्कुल विपरीत है और बंगाल में एक नई और मजबूत ताकत है। लेकिन सवाल यह भी है कि आखिर वामपंथी वोटरों ने अपनी विपरीत विचारधारा की ओर झुकाव कैसे बढ़ा लिया? क्या सिर्फ इसलिये की वो राज्य में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ अपनी सत्ता-विरोधी भावना जाहिर कर सकें!

एक मजबूत वामपंथी दल की गैर-मौजूदगी और बहुत कमजोर हो चुकी कांग्रेस के चलते, बीजेपी को अपने बिल्कुल विपरीत लाल खेमे में एक अप्रत्याशित सहयोगी मिल गया। सीपीएम के कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर तृणमूल कांग्रेस से लड़ने में बीजेपी की भरपूर मदद की। इस सांगठनिक समर्थन की बदौलत बीजेपी, टीएमसी-विरोधी और वामपंथी-समर्थक वोटों का एक बड़ा हिस्सा अपनी झोली में डालने में पूरी तरह कामयाब रही। बीजेपी 2021 के विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक रूप से 77 सीटें जीतने में कामयाब रही। इसके चलते दो अन्य विपक्षी दल कांग्रेस और सीपीएम पूरी तरह से हाशिए पर चले गए और 2021 की विधानसभा चुनाव में उन्हें एक भी सीट नहीं मिली। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी सीपीएम सहित वामपंथी दलों का खाता नहीं खुला।

वीरप्पन की पत्नी और बेटी को चुनाव मैदान में जनता का मिल रहा समर्थन

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु के सलेम क्षेत्र में एक दिलचस्प राजनीतिक बदलाव देखने को मिल रहा है। लगभग दो दशक पहले जिस नाम से जंगलों में भय का माहौल बन जाता था, उसी वीरप्पन की विरासत को अब उसकी बेटी और पत्नी नए रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही हैं। कभी एक खतरनाक जंगली डाकू के रूप में पहचाने जाने वाले वीरप्पन की छवि को अब लोकतांत्रिक राजनीति के माध्यम से एक अलग दिशा देने का प्रयास हो रहा है।

हम आपको बता दें कि वीरप्पन की बड़ी बेटी विद्यारानी, जो पेशे से वकील हैं, वह इस बार मेट्टूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। वह नाम तमिलर काची नामक पार्टी की उम्मीदवार के रूप में अपनी किस्मत आजमा रही हैं। यह उनका दूसरा चुनाव है, इससे पहले उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में कृष्णगिरि से चुनाव लड़ा था और एक लाख से अधिक मत हासिल किए थे। दूसरी ओर, उनकी मां मुथुलक्ष्मी कृष्णगिरि सीट से तमिलगा वलवुरिमै काची पार्टी की उम्मीदवार हैं। हम आपको बता दें कि यह दोनों ही दल तमिल पहचान और तमिल राष्ट्रवाद को अपने राजनीतिक आधार के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

विद्यारानी का कहना है कि यदि उनके पिता आज जीवित होते तो वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनते। वह अपने भाषणों में वीरप्पन की छवि को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करती हैं जिसने शोषण और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। मेट्टूर में एक जनसभा के दौरान उन्होंने कहा कि उनके पिता को जिस तरह से खतरनाक अपराधी के रूप में दिखाया गया, वह पूरी सच्चाई नहीं है। उनके इस बयान को खासकर युवाओं के बीच अच्छा समर्थन मिल रहा है।

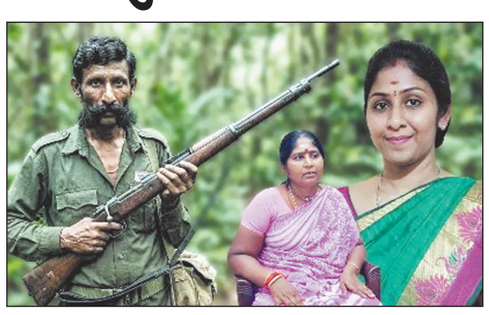

नाम तमिलर काची के प्रमुख सीमैन भी विद्यारानी के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने वीरप्पन की तुलना एक ऐसे रक्षक से की जो जंगलों और तमिल समाज की रक्षा करता था। इस तरह के बयान यह संकेत देते हैं कि यह चुनाव केवल स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पहचान और इतिहास की व्याख्या भी शामिल है।

हम आपको बता दें कि विद्यारानी की राजनीतिक यात्रा भी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत पट्टाली मक्कल काची से की थी, जो वन्नियार समुदाय में मजबूत पकड़ रखने वाली पार्टी मानी जाती है। बाद में वह 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं और फिर 2024 में नाम तमिलर काची का दामन थाम लिया। इस बदलाव से यह भी स्पष्ट होता है कि वह अपने लिए एक ऐसी राजनीतिक जमीन तलाश रही हैं जहां उनकी पहचान और विचारधारा को ज्यादा जगह मिल सके।

दूसरी ओर, वीरप्पन की पत्नी मुथुलक्ष्मी अपने चुनाव प्रचार में किसानों के मुद्दों पर खास जोर दे रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने किसानों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को करीब से समझा है। वह पानी, फसल और किसानों की गरिमा के सवाल को अपने चुनावी अभियान का मुख्य मुद्दा बना रही हैं। उनका यह रुख ग्रामीण मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों ही महिलाएं अपने अतीत को छिपाने के बजाय उसे खुले तौर पर स्वीकार कर रही हैं। उनका कहना है कि उन्हें लोगों से किसी तरह का विरोध नहीं झेलना पड़ रहा, बल्कि उन्हें सम्मान मिल रहा है। यह बात इस ओर इशारा करती है कि समय के साथ लोगों की सोच में भी बदलाव आया है और अब वह पुराने घटनाक्रमों को नए नजरिए से देखने लगे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन दोनों की उम्मीदवारी का असर खास तौर पर पट्टाली मक्कल काची पर पड़ सकता है, जो अन्नाद्रमुक की सहयोगी पार्टी है। मेट्टूर और कृष्णगिरि क्षेत्र में वन्नियार समुदाय का प्रभाव काफी ज्यादा है और यह माना जा रहा है कि विद्यारानी और मुथुलक्ष्मी इस समुदाय के मतों में सेंध लगा सकती हैं। हालांकि दोनों उम्मीदवार अपने अभियान में जाति को सीधे तौर पर मुद्दा नहीं बना रही हैं, फिर भी सामाजिक समीकरणों पर इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

बहरहाल, यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि छवि, विरासत और पहचान की नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश भी है। वीरप्पन की कहानी को एक नए नजरिए से प्रस्तुत करने का यह प्रयास तमिलनाडु की राजनीति में एक अनोखा अध्याय जोड़ रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता इस नई कथा को कितना स्वीकार करते हैं और इसका चुनाव परिणामों पर क्या असर पड़ता है?

एक और कठिन लड़ाई का सामना करेंगे ट्रंप

प्रो. प्रदीप माथुर

पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम युद्धग्रस्त खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता के अंत का कारण बना है और इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी कुछ राहत मिली है, जो अपनी तीखी बयानबाज़ी और जमीनी हकीकत के बीच फँस गए थे। हालांकि, ट्रंप अब एक और विवादास्पद संघर्ष में उलझ गए हैं, जिसके परिणाम उनके लिए समान रूप से, बल्कि उससे भी अधिक, गंभीर साबित हो सकते हैं। यह नया संघर्ष प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर है—एक ऐसा क्षेत्र जहां अमेरिका में फस्ट अमेंडमेंट के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित है और पत्रकारों को विशेष सुरक्षा प्राप्त है। एक मामला पहले से ही अदालत में है, जिसमें ट्रंप प्रशासन ने द वा?शिंगटन पोस्ट की एक पत्रकार के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने की कोशिश की थी। इसी बीच इस सप्ताह व्हाइट हाउस और मीडिया के बीच तनाव और बढ़ गया, जब ट्रंप ने ईरान में एक उच्च जोखिम वाले सैन्य बचाव अभियान से जुड़ी कथित जानकारी के लीक होने पर एक पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। इसके परिणामस्वरूप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े संगठन और पत्रकार समूह ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाज़ा खटखटा रहे हैं। अमेरिका में ये संगठन काफी प्रभावशाली हैं और इन्हें सरकारी दबाव या धनबल से आसानी से नहीं दबाया जा सकता। 6 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन उस लीक के स्रोत की सक्रिय जांच कर रहा है, जिसमें 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर एक एफ-15 स्ट्राइक ईगल के मार गिराए जाने के बाद लापता हुए दूसरे अमेरिकी एयरमैन की जानकारी शामिल थी। उन्होंने चेतावनी दी कि संबंधित मीडिया संस्थान को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अपने स्रोत का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। ट्रंप के अनुसार, इस लीक ने बचाव अभियान को गंभीर खतरे में डाल दिया, क्योंकि इससे ईरानी अधिकारियों को जीवित बचे पायलट की मौजूदगी का पता चल गया। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह जानकारी सार्वजनिक हुई, पूरा ईरान जान गया, जिससे अभियान जटिल हो गया और जोखिम बढ़ गया।

इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिकी बलों ने अलग-अलग अभियानों में दोनों एयरमैन को सफलतापूर्वक बचा लिया। ट्रंप ने इस मिशन को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि दुश्मन क्षेत्र के भीतर से दोनों पायलटों को बिना पूर्व सार्वजनिक पुष्टि के सुरक्षित निकाला गया, ताकि अभियान को खतरे में न डाला जाए। हालांकि, राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों ने प्रेस स्वतंत्रता के समर्थकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। सेठ स्टर्न ने इसका विरोध करते हुए कहा कि लीक जानकारी प्रकाशित करना फस्ट अमेंडमेंट के तहत संरक्षित है। उनके अनुसार संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि मीडिया की। यह प्रकरण अमेरिकी लोकतंत्र के एक पुराने द्वंद्व को उजागर करता है—राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के बीच संतुलन। इतिहास में सरकारें आमतौर पर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रही हैं, लेकिन पत्रकारों को सीधे निशाना बनाना अधिक विवादास्पद कदम माना जाता है। इस बीच, एक अन्य मामले में अमेरिकी संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश विलियम बी. पोर्टर ने न्याय विभाग को हन्ना नैटनसन के जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच करने से रोक दिया है। यह मामला प्रेस स्वतंत्रता और सरकारी अतिक्रमण के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह निर्णय 14 जनवरी 2026 को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा नैटैनसन के घर पर की गई तलाशी के बाद आया, जिसमें छह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे। हालांकि, स्पष्ट किया गया कि नैटैनसन स्वयं जांच का लक्ष्य नहीं हैं। 24 फरवरी के आदेश में न्यायाधीश पोर्टर ने कहा कि जब्त सामग्री की समीक्षा न्यायालय करेगा, न कि न्याय विभाग। उन्होंने सरकार की दलील की तीखी आलोचना करते हुए इसे मुर्गीखाने की रखवाली लोमड़ी को सौंपने जैसा बताया और न्यायिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। इस फैसले का समर्थन रिपोर्टर कम्युनिटी फॉर फ्रीडम ऑफ द प्रेस सहित कई प्रेस स्वतंत्रता संगठनों ने किया है। इन संगठनों का कहना है कि इस तरह की व्यापक जब्ती संविधान के प्रथम और चतुर्थ संशोधनों तथा प्रायवेसी प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन है।

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी, ब्रेड, चावल, साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध, पनीर, अंडे, छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने डॉ. आंबेडकर को किया नमन

नई दिल्ली। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य सियासी हस्तियों ने उन्हें नमन किया। इसी के साथ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य सांसदों ने संसद परिसर में स्थित बीआर आंबेडकर प्रेरणा स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर, मैं उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण में उनके प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उनका जीवन और कार्य पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा।

सीएम ममता ने भाजपा को बताया बांग्ला-विरोधी जमींदार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दल को बांग्ला-विरोधी जमींदार बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के लोगों को बांटने और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी रैली का वीडियो साझा करते हुए बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान और बांकुड़ा के मतदाताओं से अपील की कि वे टीएमसी को लगातार चौथी बार सत्ता में लाएं। उन्होंने लिखा कि राज्य की जनता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और पिछले 15 वर्षों में जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मां-माटी-मानुष की साझी ताकत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि मेरे भाई-बहन मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान व बांकुड़ा ने मुझे प्यार और आशीर्वाद का ऋणी बना दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी मां-माटी-मानुष सरकार ऐतिहासिक चौथी बार वापसी करेगी।

तमिलनाडु में भाजपा ने जारी किया घोषणापत्र

चेन्नई। तमिलनाडु में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जहां एक ओर सियासत में जबरदस्त गर्माहट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर अब राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी और तेज कर दी है। इसी क्रम में भाजपा ने चेन्नई में आगामी चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, भाजपा नेता के अन्नामलाई और तमिलिसाई सुंदरराजन मौजूद रहे। पार्टी ने चुनाव को लेकर अपनी योजनाएं और वादे जनता के सामने रखे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तमिलनाडु की राजनीति और राज्य की मौजूदा सरकार पर बड़ा बयान भी दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक का केंद्र रहा है और हर भारतीय इसके सांस्कृतिक गौरव पर गर्व करता है। अपने बयान में नड्डा ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी पर जमकर निशाना साधा।

दावणगेरे दक्षिण के उपचुनाव में दिखी कांग्रेस की आंतरिक कलह

बेंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार एमएलसी नसीर अहमद पर दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ काम करने का आरोप है। दावणगेरे दक्षिण सीट से विधायक 94 वर्षीय विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के चलते यहां उपचुनाव हुए थे। कांग्रेस ने इस सीट से शमनूर के पोते समर्थ शमनूर को उम्मीदवार बनाया था। समर्थ कर्नाटक के खनन और भूविज्ञान मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन के बेटे हैं। सीएम सिद्धारमैया ने मंगलवार को आवास, अल्पसंख्यक कल्याण और वक्फ मंत्री बी.जे. जमीर अहमद खान को अपने कार्यालय-निवास पर तलब किया था। खान ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुझे आधे घंटे में अपने निवास पर बुलाया है। मैं अभी वहां जा रहा हूं।

महिला आरक्षण बिल का ड्राफ्ट न मिलने पर विपक्ष ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने सरकार पर संसद का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। ओ ब्रायन ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े महत्वपूर्ण बिलों का मसौदा (ड्राफ्ट) अभी तक सांसदों को नहीं मिला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा कि वे लगातार संसद का मज़ाक उड़ा रहे हैं। ओ ब्रायन ने कहा कि संसद की बैठक 16 अप्रैल को शुरू होने वाली है, लेकिन किसी ने भी प्रस्तावित संविधान संशोधन की कॉपी तक नहीं देखी है। ओ ब्रायन ने सरकार के इस रवैये को तानाशाही बताया है। वही, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र का मजाक बताया।

देश की महिलाओं के नाम प्रधानमंत्री मोदी का खुला पत्र

2029 तक महिला आरक्षण की बात फिर दोहराई, कहा- लोकतंत्र होगा मजबूत

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर की महिलाओं को एक भावपूर्ण पत्र लिखकर विधायी निकायों में महिला आरक्षण के महत्व पर जोर दिया और लंबे समय से लंबित सुधार पर तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया। अपने संदेश में उन्होंने लिखा, भारत भर की महिलाएं विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने की पहल की सराहना कर रही हैं। भारत की नारी शक्ति को मेरा यह पत्र दशकों से लंबित इस मुद्दे को लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

यह पत्र संसद के एक महत्वपूर्ण सत्र से ठीक पहले आया है, जहां सरकार महिला आरक्षण कानून से जुड़े संवैधानिक संशोधन को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 14 अप्रैल को लिखे अपने पत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने अंबेडकर को राष्ट्र निर्माण में मार्गदर्शक शक्ति बताया और कहा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से भारत आज भी प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि आज, 14 अप्रैल, भारत के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद करता हूं, जो आज भी हमारे मार्ग का मार्गदर्शन करती है।

अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिलाएं पहले से ही स्टार्टअप, विज्ञान, शिक्षा, कला, खेल और जमीनी स्तर के उद्यम जैसे कई क्षेत्रों में भारत की प्रगति को आकार दे रही हैं। उन्होंने भारत के बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य के प्रमाण के रूप में महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप के उदय, महिला एथलीटों की उपलब्धियों और स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदियों की सफलता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह बढ़ता योगदान स्वाभाविक रूप से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को मजबूत करता है।

प्रधानमंत्री ने दृढ़तापूर्वक तर्क दिया कि भारत के भविष्य के विकास के लिए विधायिकाओं में महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लिखा, यह अनिवार्य है कि हम हर संभव प्रयास करें इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बिल्कुल अनिवार्य है।

संसद ने सितंबर 2023 में महिला आरक्षण कानून पास किया था। इसमें महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का नियम है। पुराने नियमों के हिसाब से यह आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता। इसका कारण यह था कि आरक्षण को जनगणना और सीटों के नए सिरे से निर्धारण (परिसीमन) की प्रक्रिया से जोड़ा गया था। अब सरकार नियमों में संशोधन कर रही है ताकि इसे 2029 के चुनाव से ही लागू किया जा सके।

इन बदलावों के पास होने के बाद लोकसभा की कुल सीटें बढ़कर 816 हो जाएंगी। इनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक कदम के लिए देश की करोड़ों महिलाओं से आशीर्वाद मांगा है। उन्होंने महिलाओं से एक खास अपील भी की है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने क्षेत्र के सांसदों को पत्र लिखें। वे सांसदों को इस ऐतिहासिक सत्र में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर भी यह पत्र साझा किया है।

कैबिनेट की आखिरी बैठक में मंत्रियों से बातचीत के दौरान भावुक नीतीश?

पटना। बिहार की सियासत में नीतीश युग का अंत हो गया। दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर विकास को गति देने वाले नीतीश कुमार ने आखिरकार बिहार की सियासत को छोड़ केंद्र की राजनीति की तरफ रुख कर लिया। नीतीश कुमार ने मंगलवार को कैबिनेट की आखिरी बैठक की और मंत्रिमंडल को भंग कर दिया। नीतीश कुमार ने अपनी आखिरी कैबिनेट बैठक की, जो करीब 20 मिनट तक चली। इस दौरान उन्होंने मंत्रियों से बातचीत की और माहौल काफी भावुक हो गया। उन्होंने मंत्रियों को संबोधित किया। यह बैठक भावनात्मक माहौल में संपन्न हुई, जहां कई मंत्री भावुक हो गए।

मंत्रियों की भावुकता देख नीतीश कुमार भी भावुक नजर आए। वहीं, कैबिनेट को भंग करने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्रियों से कहा कि मैं दिल्ली जा रहा हूं, लेकिन वहां से भी सब कुछ देखता रहूंगा। आप सभी के प्रति मेरा स्नेह और प्यार हमेशा बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने इसके बाद कैबिनेट को भंग करने की जानकारी बैठक में मौजूद सदस्यों को दी।

जिसके बाद पूरा माहौल गमगीन हो गया। नीतीश कुमार ने कहा कि वे अपने काम को और बेहतर तरीके से करते रहें और बिहार के विकास को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि आप लोग काम तो करते ही हैं, लेकिन अब और अच्छा कीजिए। बिहार को आगे ले जाने की जिम्मेदारी आप सभी पर है। यह संदेश साफ तौर पर भविष्य के लिए एक दिशा-निर्देश के रूप में देखा जा रहा है।

नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में पिछले वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सभी ने मिलकर बिहार को एक विकसित राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम किया है। उन्होंने कहा कि अब समय है कि इन उपलब्धियों को और आगे बढ़ाया जाए और राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। बैठक का सबसे भावुक क्षण तब आया जब नीतीश कुमार ने कहा कि यह बेहद भावुक पल है। उनके इस बयान ने यह संकेत दिया कि भले ही वह राज्य की सक्रिय राजनीति से कुछ दूरी बना रहे हों, लेकिन उनकी नजर बिहार की गतिविधियों पर बनी रहेगी। बैठक के बाद मंत्री लखेंद्र पासवान ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इसे बेहद भावुक पल बताते हुए सभी मंत्रियों से कहा कि वे पहले से बेहतर काम करें।

बाबासाहेब के सपनों के भारत पर हो रहा हमला : राहुल गांधी

नईदिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आज कुछ ताकतें बाबासाहेब की विरासत एवं संविधान को सुनियोजित तरीके से कमजोर करने में लगी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह बाबासाहेब के विचारों की रक्षा के लिए पूरी ताकत से लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया।

लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने में लगी हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है, और समता की सोच पर हमला होरहा है। उन्होंने कहा, यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है, मैं पूरी शक्ति के साथ, आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती पर, हम इस दूरदर्शी नेता को पूरी श्रद्धा से नमन करते हैं जिन्होंने भारत को इसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा दी।

बाबासाहेब न केवल भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक योद्धा थे।'' उन्होंने कहा कि ''आज, जब संविधान पर षडयंत्रकारी हमले हो रहे हैं, तो उनके शब्द और चेतावनियां नए सिरे से पूरी तात्कालिकता के साथ गूंजती हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षण है जो साहस और दृढ़ विश्वास की मांग करता है। खरगे ने कहा, हमें केवल उन्हें याद नहीं करना चाहिए, हमें उनके द्वारा स्थापित हर सिद्धांत की रक्षा के लिए, उनके द्वारा हासिल किए गए, हर अधिकार की रक्षा के लिए और उनके द्वारा जिए गए और लड़े गए हर मूल्य को बनाए रखने के लिए उठना चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी आंबेडकर जयंती पर संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खरगे का आरोप- संविधान पर हमले के पीछे साजिश

कांग्रेस ने मंगलवार को डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर खरगे ने कहा कि संविधान आज एक षड्यंत्रकारी हमले का सामना कर रहा है। हमें उनके द्वारा स्थापित प्रत्येक सिद्धांत की रक्षा के लिए खड़ा होना होगा। खरगे ने एक्स पर कहा बाबासाहेब डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती पर, हम उस दूरदर्शी व्यक्ति को गहरी श्रद्धा से नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को उसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा दिया की।

उन्होंने कहा कि बाबासाहेब न केवल भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक अथक योद्धा भी थे, ये वे मूल्य हैं जो भारत की अवधारणा को ही परिभाषित करते हैं। डॉ आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। उन्हें भारतीय संविधान का निर्माता माना जाता है।

वही, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र का मजाक बताया। उन्होंने सत्र के समय पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि सांसदों को चर्चा से पहले संवैधानिक संशोधन विधेयक उपलब्ध नहीं कराए गए थे। संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 से संबंधित प्रमुख संवैधानिक संशोधनों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने लिखा, संसद का विशेष सत्र कल यानी 16 अप्रैल को शुरू होगा जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर होगा। मोदी सरकार ने विपक्ष के उन बिल्कुल उचित और वैध अनुरोधों को खारिज कर दिया है जिनमें चुनाव समाप्त होने के बाद (आज से पंद्रह दिन बाद) सर्वदलीय बैठक बुलाने की बात कही गई थी।

खेल
प्रमुख समाचार

विजडन पुरस्कारों में भारतीय खिलाड़ियों ने 9 में से 7 अवॉर्ड अपने नाम किए

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 अवार्ड में अपना दबदबा बनाया है। इन पुरस्कारों में 9 में से 7 तो भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। इनमें दीप्ति शर्मा को वर्ष की महिला क्रिकेटर और अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 क्रिकेटर चुना गया।

शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को पिछले साल इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने के कारण विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेटरों के अलावा जिन अन्य देशों के खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया है उनमें ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शामिल हैं जिन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी शामिल किया गया है।

दीप्ति को ये सम्मान पिछले साल आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप में 22 विकेट लेने के लिए दिया गया। इस ऑलराउंडर के बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने मुंबई में खेले गए फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतक की मदद से 215 रन भी बनाए थे।

इसके अलावा अभिषेक शर्मा ने 2025 के सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। पिछले साल टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारतीय टेस्ट कप्तान गिल ने बेहतरीन फॉर्म दिखाते हुए 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

बाजार में हलचल के बीच सस्ता हुआ तेल

नईदिल्ली। मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 को एशियाई बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत के संकेत मिलने से सप्लाई को लेकर चिंता कुछ कम हुई, जिससे बाजार पर दबाव घटा। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 1.86 डॉलर यानी 1.87% गिरकर 97.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल 2.25 डॉलर यानी 2.27% टूटकर 96.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि, पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। ब्रेंट में 4% से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई में करीब 3% की बढ़त दर्ज की गई थी। यह उछाल अमेरिका द्वारा ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करने के बाद आया था। तनाव का सबसे बड़ा केंद्र स्ट्रैट ऑफ होर्मुज बना हुआ है, जहां से वैश्विक तेल सप्लाई का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक-आईईए की चेतावनी ने बढ़ाई चिंता

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराता दिख रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), वर्ल्ड बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने चेतावनी दी है कि मौजूदा हालात के चलते तेल-गैस और उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। इन तीनों वैश्विक संस्थाओं के प्रमुखों ने हाल ही में बैठक कर युद्ध के ऊर्जा और आर्थिक प्रभावों की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार पर असर पड़ा है और यात्रा-पर्यटन गतिविधियां भी कमजोर हुई हैं, जिन्हें सामान्य होने में समय लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस संकट का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है लेकिन ऊर्जा आयात करने वाले और निम्न-आय वाले देश सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

हॉर्मुज पूरी तरह बंद हुआ तो रोजाना लाखों बैरल तेल सप्लाई अटकेगी

नईदिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। अगर अमेरिका इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह बंद कर देता है, तो इसका सीधा असर दुनिया भर में तेल की सप्लाई पर पड़ेगा। नोमुरा की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे हालात में मार्च 2026 के हिसाब से करीब 2.3 मिलियन बैरल प्रति दिन तेल की अतिरिक्त कमी हो सकती है। वहीं अगर इसकी तुलना मार्च 2025 से की जाए, तो यह कमी करीब 9.3 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच सकती है, जो सालाना आधार पर करीब 57 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। दरअसल, हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम तेल सप्लाई रूट्स में से एक है। सऊदी अरब, यूएई, इराक, ईरान, कुवैत और कतर जैसे बड़े तेल उत्पादक देश इसी रास्ते के जरिए अपना तेल दुनिया तक पहुंचाते हैं।

चीन का निर्यात मार्च में 2.5 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग। चीन का निर्यात मार्च में सालाना आधार पर 2.5 प्रतिशत बढ़ा जो पिछले दो महीनों की तुलना में काफी धीमा रहा। ईरान युद्ध से ऊर्जा कीमतों तथा वैश्विक मांग पर प्रभाव से अनिश्चितता बढ़ गई है। चीन की सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा मंगलवार को जारी मार्च के निर्यात आंकड़े विश्लेषकों के अनुमानों से कम रहे। वहीं जनवरी-फरवरी में दर्ज 21.8 प्रतिशत की निर्यात वृद्धि की तुलना में भी काफी नीचे हैं। आयात पिछले महीने 27.8 प्रतिशत बढ़ा जो इस वर्ष के पहले दो महीनों में सालाना आधार पर 19.8 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ईरान के साथ जारी युद्ध से इस वर्ष चीनी निर्यात की समग्र वैश्विक मांग प्रभावित हो सकती है और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर असर पड़ने के कारण चीन के निर्यात में गिरावट आई है।

बंगाल में आक्रामक हुआ चुनाव प्रचार, जारी हुआ भाजपा संकल्प पत्र

मृत्युंजय दीक्षित

असम, केरल व पुद्दुचेरी में विधानसभा चुनाव हेतु मतदान संपन्न हो जाने के बाद पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार मे आक्रामकता आ गई है। बंगाल के सन्दर्भ में प्राप्त विश्लेषणों के अनुसार ऐसा लग रहा है कि इन चुनावों में बंगाल में मात्र दो प्रतिशत मतों के अंतर से ही सरकार बनने का खेल होने वाला है। सत्ता के लिए प्रमुख लड़ाई चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रयासरत ममता बनर्जी तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच ही है और यही दोनों आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने पहले ममता सरकार के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया।

इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर हिंसा को बढ़ावा देने वाली बयानबाजी आरम्भ कर दी। अभिषेक बनर्जी तो अपनी रैली में सीधे तौर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं की गर्दन, हाथ, पैर तोड़ने तक की बात कह रहे हैं। इसके लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर भी की गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने स्वयं चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और लगातार कोर्ट में अभियान चला रही हैं। बंगाल की मतदाता सूची से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने से वह अधिक परेशान हैं।

भाजपा भी इस बार सरकार बनाने के लिए लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हल्दिया, आसनसोल व सिउड़ी में विशाल जनसभाओं में बंगाल की जनता को

छह गारंटियां दीं जिनको भाजपा के संकल्प पत्र में दोहरा कर मजबूत किया गया। इन जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ एक ओर विकास और सुशासन का एजेंडा सामने रखा वहीं दूसरी ओर टीएमसी सरकार पर चौतरफा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास तो होगा ही लेकिन जिन लोगों ने लूटा है, उन लुटेरों का हिसाब भी होगा। उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों में राज्य में सिंडीकेट, कट मनी और गुंडाराज का बोलबाला रहा है जिससे आम जनता का विश्वास टूटा है। भाजपा सरकार आने पर भय की जगह भरोसा कायम किया जायेगा। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजेंगे। सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। हर घोटाले, भ्रष्टाचार ओर बहन बेटियों के साथ हुए अन्याय की फाइलें, खुलेंगी। घुसपैठियों को खोज खोजकर खदेड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की विशाल जनसभाओं के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया है जिसमें कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गयी हैं। बंगाल में कोलकाता के भाजपा कार्यालय में एक विशाल वंदेमातरम संग्रहालय बनाया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि हम वंदे मातरम की परिकल्पना के माध्यम से बंगाल की संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेंगे। अभी वंदेमातरम की 150 वीं जयंती पर संसद में विशेष सत्र का आयोजन हो चुका है तथा साथ ही अब सरकारी आयोजनों में संपूर्ण वंदेमातरम गायन अनिवार्य किया जा चुका है। बंगाल की दृष्टि से वंदेमातरम संग्रहालय की स्थापना एक महत्वपूर्ण घोषणा है।

सिंगूर को लेकर घोषणा- भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में दूसरी बड़ी घोषणा सिंगूर को लेकर की है जिसमें भाजपा ने सरकार बनने के बाद वहां एक औद्योगिक पार्क बनाने का संकल्प किया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सिंगूर से अपनी राजनैतिक जमीन बनाने की शुरुआत की थी। पश्चिम बंगाल का सिंगूर विवाद भारत के औद्योगिक और राजनीतिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना रही है। सिंगूर विवाद वर्ष 2006 में शुरू हुआ था जब तत्कालीन वामपंथी सरकार ने हुगली जिले के सिंगूर में टाटा मोटर्स को नैनो कार बनाने के लिए करीब 997 एकड़ जमीन दी।

समाज में न्याय और समानता की प्रेरणा देता रहेगा बाबा साहेब का जीवन: मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर चौक में उनकी 21 फीट ऊंची पंचधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के नेतृत्व और उनके द्वारा निर्मित भारतीय संविधान ने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उनके विचार आज भी समाज को न्याय और समानता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति की मांग पर मंगल भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया है। इसी कारण आज समाज के सभी वर्गों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आज देश के प्रत्येक कोने में बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो उनके प्रति लोगों के अटूट सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में उनकी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है, जिससे नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है।मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण सिंह देव, महापौर नगर पालिक निगम रायपुर मती मीनल चौबे, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय वास्तव, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

जन्म जयंती पर भाजपा नेताओं ने डॉक्टर अंबेडकर को किया याद

रायपुर। भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जिला रायपुर द्वारा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में प्रात: 11 बजे बाबा साहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर एवं पूर्व जिलाध्यक्ष, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री अमित शाह मैशरी, उपाध्यक्ष अकबर अली, संदीप जंघेल, संतोष साहू, अमर गिदवानी, विजय व्यास सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा द्वारा बाबा साहब की जयंती को पार्टी के अनिवार्य कार्यक्रमों में शामिल करते हुए जिले के सभी बूथों पर उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर बाबा साहब को नमन कर उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। मंडल स्तर पर समरसता भोज सहित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तात्यापारा मंडल के कोटा में आयोजित समरसता भोज में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक अखिलेश सोनी एवं जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर , राजेन्द्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष चैतन्य टावरी, महामंत्री प्रशांत चंद्राकर प्रकाश यदु शामिल हुए। कार्यक्रम से पूर्व बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसी क्रम में उत्तर विधानसभा के शंकर नगर मंडल में जिला झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित विशाल समरसता भोज में हजारों लोगों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, केबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहब, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कण्डेय, अखिलेश सोनी, रमेश सिंह ठाकुर, संजय श्रीवास्तव एवं छत्तीसगढ़ बौद्ध महासभा के अध्यक्ष राजकुमार रामटेके, सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतिम नोटिस के बाद भी नहीं दिया बकाया, 8 बकायादारों के व्यवसायिक परिसर सील

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 के राजस्व विभाग ने विगत कई वर्षों से बकाया राशि जमा नहीं कर रहे वार्ड 1 एवं 2 क्षेत्र के 8 बड़े बकायादारों पर सख्त कार्रवाई करते हुए उनके संबंधित 8 व्यवसायिक परिसरों को तत्काल सीलबंद कर दिया।

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व जागृति साहू तथा जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार, नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गदर्शन एवं राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वश्री नरेंद्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई।

नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 और पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र में 8 बड़े बकायादारों द्वारा कई वर्षों से बकाया राशि जमा नहीं की जा रही थी। निगम द्वारा डिमांड बिल, डिमांड नोटिस और अंतिम नोटिस जारी किए जाने के बाद भी भुगतान नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित परिसरों में ताला लगाकर सीलबंदी की कार्रवाई की गई।

जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल ने बताया कि वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 में 91,572 रुपये के बकायादार रामपाल लहरी, 91,572 रुपये के बकायादार सुकलहीन लहरी, 2,05,000 रुपये के बकायादार मो. अब्दुल कलाम, 4,00,389 रुपये के बकायादार बलविंदर सिंह, 77,859 रुपये के बकायादार ओमप्रकाश तिवारी तथा 2,05,879 रुपये के बकायादार अंकित साव के परिसरों को सीलबंद किया गया।

मुख्यमंत्री 515 नई पैक्स समितियों का आज करेंगें वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सहकारिता को नई दिशा देने और किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग द्वारा 515 नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का गठन किया गया है। इन समितियों का वर्चुअल शुभारंभ कल 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर से किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना के स्वागत उद्बोधन से होगा एवं अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप प्रदेश में सहकारिता विस्तार की रूपरेखा एवं उसके लाभों पर प्रकाश डालेंगे। सहकारिता मंत्रीकेदार कश्यप ने कहा है कि नई पैक्स समितियों के गठन से किसानों को ऋण, खाद, बीज तथा अन्य कृषि सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इससे हमारे अन्नदाता किसानों को अब दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व संसाधनों की बचत भी होगी। साथ ही किसानों को शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल से शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा उनका लाभ सीधे ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ में सहकारिता तंत्र को सुदृढ़ करते हुए आत्मनिर्भर ग्रामीण-अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

डॉ. अंबेडकर जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, निकली शोभायात्रा

रायपुर। डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती में उत्सव सा माहौल देखने को मिला. समाज के अलग-अलग वर्गों ने कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बाबा साहेब को नमन किया. सुबह अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर विधिवत माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. इसके बाद शहर में एक विशाल और आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बौद्ध समाज, सतनामी समाज सहित सर्व अनुसूचित जाति-जनजाति के संयुक्त मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. रैली में शामिल लोगों ने जय भीम के नारों से पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया. गर्मी को देखते हुए अलग-अलग स्थानों पर शीतल पेय, पानी और अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं, जिससे रैली में शामिल लोगों को राहत मिली. अंबेडकर भवन पहुंचने के बाद मंचीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के संदेश पर प्रकाश डाला. डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया.भारतीय संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने और समाज में भाईचारा, समानता एवं एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

वेदांता पावर दुर्घटना, हादसा नहीं हत्या: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सक्ती जिले में डभरा थाना क्षेत्र के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटने से 9 मजदूरों की मौत एवं 50 से अधिक मजदूरों के घायल होने का समाचार अत्यंत हृदय विदारक और पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करे।इस दुर्घटना के लिए प्रबंधन और प्रशासन जिम्मेदार। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह हादसा नहीं हत्या, भाजपा के कुशासन में औद्योगिक हादसों में मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस मामले में 50 से अधिक लोगों के झुलसकर घायल होने की सूचना है, घायलों के बेहतर इलाज की समुचित व्यवस्था कर न्यायिक जांच कराई जाए और मृतकों के परिवार को एक-एक करोड़ और घायलों को 50-50 लाख मुआवजा दे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा की सरकार में छत्तीसगढ़ में औद्योगिक सुरक्षा की स्थिति भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, कुछ महीना पहले गोदावरी प्लांट में भट्टी विस्फोट और स्वदेश मेटालिक प्लांट में 30 फीट की ऊँचाई से गिरकर श्रमिक की मौत सुरक्षा के प्रति घोर लापरवाही को दर्शाते हैं।

जेम पोर्टल के भ्रष्टाचार में पूरी सरकार लिप्त: शुक्ला

रायपुर। सरकारी खरीदी का पोर्टल जेम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल से की गई सभी खरीदी की जांच होनी चाहिए। सरकार में बैठे हुए प्रभावशाली लोग जेम पोर्टल के माध्यम में अनाप शनाप भाव में सरकारी सप्लाई का ठेका अपने चहेतों को दिला कर कमीशनखोरी कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय सीएसआईडीसी के माध्यम से हो रही खरीदी को भाजपा सरकार बनने के बाद इसी लिए बंद किया गया था ताकि भ्रष्टाचार किया जा सके और राज्य के बाहर के सप्लायरों से कमीशन ले कर खरीदी की जाय। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से अब तक जितनी खरीदी हुई है इस पूरी खरीदी की जांच की जानी चाहिये। जेम पोर्टल की खरीदी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। स्थानीय व्यापारियों की अनदेखी हुई है, पोर्टल से हुई अधिकांश खरीदी राज्य के बाहर के सप्लायरों से हुई है। इसी जेम पोर्टल से 300 का जग 32000 में खरीदा गया है। 1 लाख की टी.वी 10 लाख में, 60 हजार की रोटी मेकर मशीन 8 लाख में खरीदी गयी।

जंगलराज सरकारी अमला पर तस्कर हमला कर रहे: ठाकुर

रायपुर। सरकारी अमला पर तस्करों के हमला को भाजपा सरकार की नाकामी बताते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा गृह मंत्रालय सम्हाल नही पा रहे है, कानून व्यवस्था मजबूत नहीं कर पा रहे है तो उन्हें इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। प्रदेश में जंगलराज कायम है, तस्करों के हौसला इतना बुलंद है कि सरकारी अमला पर हमला कर रहे है। जब कानून के रखवाले ही सुरक्षित नहीं है फिर जनता का ख्याल कौन रखेगा? महासमुंद के पटेवा में शराब तस्कर को पकड़ने गये पुलिस टीम पर जानलेवा हमला हो गया, थानेदार सहित महिला सिपाही घायल हो गये। मुंगेली के लोरमी में रेत तस्करों ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला किया। हिंसक झड़प हुई, वन अमला को जान बचाकर भागना पड़ा। आखिर इन तस्करों पर नकेल कौन कसेगा? बेहद तस्करों की बढ़ते आतंक से प्रदेश खौफ में है।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा पर तस्करों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि ढाई साल की सरकार में प्रदेश तस्करों का गढ़ बन गया है। रेत तस्करी, शराब तस्करी, अवैध नशीली वस्तुओं की तस्करों, अवैध काम जोरो पर चल रहा है।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा: वंदना

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि भाजपा सरकार पर शिक्षा की उपेक्षा दुर्भावना के कारण ही छत्तीसगढ़ में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है, एकीकृत जिला सूचना प्रणाली के द्वारा जारी रिपोर्ट में वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ देश में नीचे से तीसरे क्रम पर है, जो इस सरकार के लिए शर्मनाक है, भाषा का स्तर -3 और विज्ञान का -5 है, स्कूलों में नियमित शिक्षकों की भर्तियां रोक दी गई है, अधिकांश स्कूलों में शौचालय नहीं हैं, शिक्षकों से कभी कुत्ते गिनवा रहे, कभी मवेशी, एसआईआर ड्यूटी के बाद अब जनगणना, पेपरलिक के मामले में यह सरकार बदनाम हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि भाजपा की सरकार नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ में गरीब बच्चों को समुचित शिक्षा मिल सके, शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश की संख्या घटाई जा रही है, पहले जो क्लास वन के साथ ही नर्सरी और केजी वन में बच्चों की भर्तियां होती थी उसे सरकार ने अब बंद कर दिया है, केवल कक्षा पहली में ही भर्ती होगी।पहले लगभग 80 हजार सीटों में आरटीई के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश होते थे जिसे इस साल काटकर मात्र 19,489 कर दिया गया है।

वेदांता में मृतक परिवार को मुआवजा दे प्लांट प्रबंधन : मिश्रा

रायपुर। आम आदमी पार्टी के कार्य प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना में पूरी लापरवाही प्लांट प्रबंधन की है उन्होंने कभी भी सुरक्षा मां को का ध्यान नहीं रखा इसलिए यह बड़ी घटना घटित हुई है। उन्होंने बताया कि प्लांट के भीतर अचानक बॉयलर फटने से हुए जोरदार धमाके की चपेट में आने से 9 श्रमिकों की दर्दनाक मौत और 35 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल होना दु:खद है। भगवान हादसे में मृत मजदूरों के परिवारों को इस दुख से लड़ने की शक्ति दे। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि प्लांट प्रबंधन को हादसे में मृत मजदूरों के परिवार को 50-50 लाख और घायलों के परिवार को 25-25 लाख देना मुआवजा देना चाहिए साथ ही राज्य सरकार को भी हादसे में मृत मजदूरों के परिवार को 50-50 लाख और घायलों के परिवार को 25-25 लाख मुआवजा देना चाहिए, साथ ही घटना की न्यायिक जांच हो व दोषियों को सजा मिलनी चाहिए ताकि ऐसी घटना की पुनरावृति ना हो।

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई

बाबा साहेब के संविधान में समानता की भावना : जायसवाल

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में आज संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके संदेशों को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी समानता की भावना है, जहां किसी की पहचान उसकी जाति या समुदाय से नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व और कर्म से होती है। उन्होंने कहा कि इस सोच को मजबूत करने में बाबा साहब का अतुलनीय योगदान रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज़ादी से पहले दलित, शोषित, पीड़ित और वंचित समाज के अंतिम व्यक्ति की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता था लेकिन बाबा साहब ने उनके अधिकारों, सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष कर उन्हें मुख्यधारा में स्थान दिलाया। इस संदर्भ में उन्होंने गुरु घासीदास बाबा के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को भी याद करते हुए सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें नृत्य, गीत एवं नाट्य मंचन के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

साड़ी गुणवत्ता पर सरकार सख्त, दोष मिलने पर कार्रवाई और साड़ियों के बदलाव के निर्देश

रायपुर। राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ियों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी गहन जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक ने छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र जारी कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में साड़ी वितरण के लिए जारी किए गए क्रय आदेश के तहत कुछ जिलों से गुणवत्ता में कमी और निर्धारित मापदंडों में विचलन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

विभागीय स्तर पर गठित जांच समिति द्वारा किए गए परीक्षण में कुछ स्थानों पर मानकों से विचलन की पुष्टि भी हुई है। इसके बाद अब मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। संचालक महिला एवं बाल विकास द्वारा जारी पत्र में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर साड़ियों की पुन: गुणवत्ता जांच कराएं। यदि जांच में मापदंडों से किसी प्रकार का विचलन पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसियों और आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।इसके साथ ही, जिन स्थानों पर निम्न गुणवत्ता की साड़ियां वितरित हुई हैं, वहां उन्हें तत्काल वापस लेकर गुणवत्तापूर्ण नई साड़ियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ लोगों द्वारा इस मामले को लेकर भ्रामक एवं नकारात्मक प्रचार किया जा रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.